वर्ष-14 - अंक 112
पृष्ट-08 मूल्य : 01 रुपया

सीतापुर
शुक्रवार ,31 जुलाई 2026

RNIÐNoÐ UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhatÐco

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

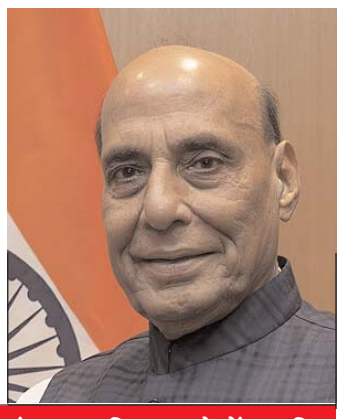

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

संवैधानिक आरक्षण के विरोध में वैमनस्य फैलाने वालों 3

पंचायती राज व्यवस्था को मिली नई मजबूती, विकास कार्यों 4

पत्रकारिता से शिक्षा जगत तक: वरिष्ठ पत्रकार मुकेश मिश्रा बने टीजीटी हिंदी 08

दिल्ली में बीजेपी ने किया आप दफ्तर का घेराव

नई दिल्ली(एजेंसी)। पंजाब में कथित पेपर लीक मामलों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने कैनिंग लेन स्थित आम आदमी पार्टी के केंद्रीय कार्यालय का घेराव करने का प्रयास किया और पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर मंदिर मार्ग थाने पहुंचाया, जहां लगभग एक घंटे बाद उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दे पर दोहरे मापदंड अपना रही है। उन्होंने कहा कि जब केंद्र सरकार के दौरान किसी परीक्षा में अनियमितता का आरोप लगा तो आम आदमी पार्टी ने सड़क पर उतरकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की थी, लेकिन पंजाब में कथित पेपर लीक के मामलों पर पार्टी पूरी तरह मौन है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में पिछले साढ़े चार वर्षों के दौरान पंजाब टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (पीटीईटी), 12वीं

कक्षा के अंग्रेजी प्रश्नपत्र, फार्मेसी अधिकारी भर्ती परीक्षा तथा अन्य भर्ती परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने के आरोप सामने आए हैं। भाजपा का दावा है कि इन घटनाओं से हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है, इसलिए पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। भाजपा के दिल्ली महामंत्री विष्णु मित्तल ने कहा कि पंजाब में कथित पेपर लीक मामलों को लेकर पहले चुप्पी और बाद में इनकार करने की कोशिश से युवाओं में नाराजगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने अपने पहले के रुख से अलग व्यवहार किया है। सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने आरोप लगाया कि संसद में पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा की मांग होने पर विपक्ष ने सहयोग नहीं किया। उन्होंने कहा कि पंजाब में सामने आए आरोपों पर आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं ने स्पष्ट जवाब नहीं दिया। सांसद कमलजीत सहरावत ने दावा किया कि पिछले चार वर्षों में पंजाब में कई कथित पेपर लीक की घटनाएं सामने आईं, लेकिन राज्य सरकार ने उन्हें स्वीकार करने के बजाय खारिज करने का प्रयास किया। वहीं सांसद बांसुरी स्वराज ने फार्मेसी परीक्षा से जुड़े मामले का उल्लेख करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने भी पंजाब सरकार और आम आदमी पार्टी के नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि पेपर लीक के मामलों में जवाबदेही तय करने की बात की जाती है, तो पंजाब सरकार को भी उसी मानक पर जवाब देना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई आवश्यक है। पार्टी ने मांग की कि पंजाब सरकार कथित पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच कराए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार अधिकारियों एवं संबंधित लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए। हालांकि, इन आरोपों पर आम आदमी पार्टी की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मामले में विभिन्न आरोप राजनीतिक दलों द्वारा लगाए गए हैं और इनकी पुष्टि संबंधित जांच एजेंसियों या न्यायिक प्रक्रिया के निष्कर्षों पर निर्भर करेगी।

नेपाल में हिंसा से तनाव, जनकपुर में कर्फ्यू, सीमा पर हाई अलर्ट

सुनसरी जिले में हिंसक झड़प में एक की मौत, दर्जनभर घायल; वीरगंज में भी निषेधाज्ञा लागू

काठमांडू/नई दिल्ली। नेपाल के सुनसरी जिले में दो समुदायों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि सुरक्षाकर्मियों सहित एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए नेपाल प्रशासन ने धनुषा जिले के जनकपुर में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लागू कर दिया है। वहीं, पर्सा जिले के वीरगंज में भी निषेधाज्ञा लागू कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, सुनसरी जिले के कसानगंज क्षेत्र में दो धार्मिक समुदायों के कार्यक्रमों के दौरान विवाद बढ़कर हिंसक झड़प में बदल गया। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोली चलाई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव फैल गया। हिंसा के मद्देनजर नेपाल प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल और सुरक्षा एजेंसियों की तैनाती कर दी है। भारत-नेपाल सीमा से लगे क्षेत्रों में भी चौकसी बढ़ा दी गई

है। सीमा पर सुरक्षा एजेंसियां आवागमन और गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रख रही हैं, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। नेपाल की संसद में भी इस घटना को लेकर चिंता जताई गई। कई सांसदों ने सरकार से हिंसा पर तत्काल नियंत्रण और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रशासन का कहना है कि हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। नेपाल सरकार ने लोगों से शांति बनाए रखने, प्रशासन के निर्देशों का पालन करने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और संवाद के माध्यम से जल्द ही स्थिति सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है। भारत-नेपाल सीमा से लगे क्षेत्रों की संवेदनशीलता को देखते हुए दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियां भी हालात पर नजर बनाए हुए हैं। जनकपुर और वीरगंज जैसे प्रमुख सीमावर्ती शहरों में सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सख्त कर दी गई है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

संक्षिप्त ख़बरें

न्यायाधीश तक पहुंचने के प्रयास पर इलाहाबाद हाईकोर्ट सख्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लंबित मामले में न्यायाधीश तक पहुंचने के कथित प्रयास पर कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया है। कोडीन कफ सिरप मामले से जुड़ी 74 जमानत याचिकाओं की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति कृष्ण पहल ने स्वयं को मामले की सुनवाई से अलग कर लिया और सभी प्रकरणों को नई पीठ के गठन के लिए मुख्य न्यायाधीश के समक्ष भेजने का आदेश दिया। यह आदेश भोला प्रसाद की जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान पारित किया गया। न्यायमूर्ति कृष्ण पहल ने अपनी टिप्पणी में कहा कि किसी भी लंबित मामले को प्रभावित करने या न्यायाधीश तक निजी तौर पर पहुंच बनाने का प्रयास न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता और स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार है। उन्होंने इसे 'न्यायालय के इतिहास का काला दिन' बताया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि न्याय व्यवस्था की नींव इस विश्वास पर आधारित है कि न्याय निष्पक्ष, निर्भीक और किसी भी बाहरी प्रभाव से मुक्त होकर दिया जाता है।

यूपी बोर्डः हाईस्कूल-इंटर की आवेदन तिथि नहीं बढ़ेगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने स्पष्ट कर दिया है कि सत्र 2026-27 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा के आवेदन पत्र तथा कक्षा 9 और 11 के अग्रिम पंजीकरण की अंतिम तिथि में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। इसे लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) देवेंद्र पांडेय ने निजी और सरकारी विद्यालयों को समय से सभी छात्रों का आवेदन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। डीआईओएस ने कहा कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर किसी छात्र का आवेदन या पंजीकरण नहीं हो पाता है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य की होगी। उन्होंने सभी विद्यालयों को समयबद्ध तरीके से आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की सख्त हिदायत दी है। उन्होंने बताया कि राजधानी में अब भी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों का आवेदन और पंजीकरण शेष है। ऐसे में विद्यालय प्रबंधन को किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचते हुए सभी पात्र छात्रों के आवेदन समय पर भरवाने होंगे। डीआईओएस ने यह भी बताया कि नौकरीपेशा अभ्यर्थियों, जो यूपी बोर्ड की हाईस्कूल या इंटरमीडिएट परीक्षा देना चाहते हैं, उनके लिए 10 राजकीय विद्यालयों को आवेदन केंद्र बनाया गया है।

जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों को दिल्ली सरकार की बड़ी राहत

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने हाल ही में जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों में शामिल लोगों को बड़ी राहत देने का फैसला किया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदर्शन में शामिल आम नागरिकों के खिलाफ कोई प्रतिकूल या दंडात्मक कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सरकार का कहना है कि यह निर्णय सामान्य स्थिति बहाल करने, नागरिकों का भरोसा मजबूत करने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है। सरकार ने हालांकि यह भी साफ कर दिया है कि यह राहत सभी प्रदर्शनकारियों पर समान रूप से लागू नहीं होगी। जिन लोगों का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड है या जो गंभीर आपराधिक मामलों में आरोपी हैं, उन्हें इस फैसले का लाभ नहीं मिलेगा। ऐसे मामलों में कानून के अनुसार

कार्रवाई जारी रहेगी और न्यायिक प्रक्रिया पूर्ववत चलती रहेगी। सरकार ने कहा कि इस निर्णय का उद्देश्य किसी भी अपराधी को कानूनी कार्रवाई से बचाना नहीं है। सरकार के इस फैसले से सबसे अधिक राहत उन लोगों को मिलने की संभावना है, जिन्हें प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार या हिरासत में लिया था। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे सभी मामलों की त्वरित समीक्षा की जाए। जिन प्रदर्शनकारियों का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है, उनकी रिहाई और संबंधित कानूनी प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने के आधार पर किसी भी नागरिक के खिलाफ भविष्य में कोई नया मुकदमा दर्ज नहीं किया जाएगा और न ही कोई अतिरिक्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने इस पूरे प्रकरण को प्रशासनिक स्तर पर समाप्त मानते हुए संकेत दिया है कि इस विषय में आगे नई कानूनी कार्रवाई शुरू करने का इरादा नहीं है। सरकार का मानना है कि इस फैसले से उन लोगों को राहत मिलेगी, जो किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल नहीं थे, बल्कि केवल प्रदर्शन का हिस्सा बने थे। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि कानून व्यवस्था से समझौता न हो और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जारी रहे। दिल्ली सरकार के इस निर्णय को बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के लिए कानूनी और मानसिक राहत के रूप में देखा जा रहा है। वहीं सरकार ने दोहराया कि कानून का सम्मान करने वाले नागरिकों के हितों की रक्षा के साथ-साथ सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

यूपी में राशन कोटेदारों का बढ़ सकता है लाभांश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के 80 हजार से अधिक राशन कोटेदारों का लाभांश बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। शासन ने खाद्य एवं रसद विभाग को हरियाणा, दिल्ली और गुजरात की तर्ज पर प्रस्ताव तैयार कर 15 दिनों के भीतर भेजने के निर्देश दिए हैं। प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। वर्तमान में प्रदेश के कोटेदारों को प्रति कुंतल 90 रुपये लाभांश मिलता है, जबकि हरियाणा और दिल्ली में 200 रुपये, गोवा में 230 रुपये प्रति कुंतल लाभांश दिया जाता है। वहीं गुजरात में कोटेदारों को 2,000 रुपये की न्यूनतम आय गारंटी का प्रावधान है। शासन के निर्देश के बाद खाद्य एवं रसद विभाग ने जिलों से कोटेदारों की संख्या और राशन वितरण का ब्योरा तलब कर प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी ने कहा कि कम लाभांश के कारण बढ़ती महंगाई में कोटेदारों के सामने आर्थिक संकट बना हुआ है। उन्होंने प्रदेश में कोटेदारों के लिए मानदेय की व्यवस्था करने की भी मांग की। सरकार के इस प्रस्ताव पर मुहर लगने की स्थिति में प्रदेश के हजारों कोटेदारों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।

नेपाल में सांप्रदायिक हिंसा के बाद कई जिलों में कर्फ्यू

काठमांडू(एजेंसी)। नेपाल के भारत से सटे क्षेत्रों में सांप्रदायिक तनाव बढ़ने के बाद प्रशासन ने कई जिलों में कर्फ्यू और निषेधाज्ञा लागू कर दी है। कोशी प्रांत के सुनसरी जिले में हुई हिंसक झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि सुरक्षाकर्मियों समेत एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रशासन ने मधेश प्रांत के धनुषा और सिराहा जिलों में गुरुवार से अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लागू कर दिया। धनुषा के सहायक मुख्य जिला अधिकारी भूदेव झा के अनुसार, जनकपुर, लक्ष्मीनिया हाटबाजार, बेलौनी रोड, नागराईन नगरपालिका और दूधमती ब्रिज सहित कई संवेदनशील क्षेत्रों में दोपहर 3:30 बजे से कर्फ्यू प्रभावी कर दिया गया। वहीं सिराहा जिले के गोलबाजार क्षेत्र में भी दोपहर 2 बजे से कर्फ्यू लागू है। प्रशासन के अनुसार, सुनसरी जिले के कपतांगंज क्षेत्र में दो धार्मिक समुदायों के आयोजनों के दौरान रविवार को विवाद शुरू हुआ, जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गया। स्थिति नियंत्रण से बाहर होने पर पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोली चलाई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए।

सुनसरी में सोमवार से लागू कर्फ्यू को

जेपीएससी परीक्षा पर बवाल, हजारों छात्रों का प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची(एजेंसी)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर राजधानी रांची में बुधवार को हजारों छात्रों ने प्रदर्शन किया। छात्रों ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट चौक तक मार्च निकालकर परीक्षा रद्द करने, दोबारा परीक्षा कराने और पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की। प्रदर्शन में शामिल छात्र-छात्राओं ने आरोप लगाया कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है और लगातार सामने आ रही

अनियमितताओं से युवाओं का प्रतियोगी परीक्षाओं पर भरोसा कमजोर हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार और आयोग से निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में शामिल छात्रा खुशी कुमारी ने कहा कि लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराई जानी चाहिए। वहीं धनबाद से परीक्षा देने आई छात्रा फाल्गुनी ने आरोप लगाया कि 14वीं जेपीएससी परीक्षा में कई गंभीर गड़बड़ियां हुई हैं और पूरे मामले की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जानी चाहिए। इस बीच झारखंड भाजपा के प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने भी जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि परीक्षा में सीटों की खरीद-फरोख्त के आरोप सामने आए हैं तथा सीआईडी इस मामले में सहायक परीक्षा नियंत्रक सहित कई लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। उन्होंने इस मुद्दे पर राज्य सरकार से जवाब मांगा और कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामले में पारदर्शी जांच आवश्यक है। हालांकि, इन आरोपों पर जेपीएससी या राज्य सरकार की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

हेल्पलाइन-1905 की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करें अधिकारी : सीएम धामी

जल जीवन मिशन की लंबित शिकायतों पर जताई नाराजगी, एक सप्ताह में समाधान के निर्देश

देहरादून(एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1905 की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को जन शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हेल्पलाइन प्रदेशवासियों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम है और शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने पेयजल विभाग और जल जीवन मिशन से जुड़ी बड़ी संख्या में लंबित शिकायतों पर नाराजगी जताई। उन्होंने

संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर सभी लंबित शिकायतों का प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि समय पर शिकायतों का समाधान नहीं होने पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन अधिकारियों की हेल्पलाइन शिकायतों के निस्तारण में शून्य प्रतिशत प्रगति है, उन्हें विभागाध्यक्ष तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करें। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा में जिन शिकायतों का समाधान नहीं हो पा रहा है, उनकी नियमित समीक्षा विभागाध्यक्ष और जिलाधिकारी स्तर पर की जाए। साथ ही स्पेशल क्लोज, डिमांड, सजेशन तथा अन्य श्रेणियों में परिवर्तित शिकायतों की भी गंभीरता से जांच की जाए, ताकि किसी भी वास्तविक शिकायत का निस्तारण प्रभावित न हो। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार की प्राथमिकता आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान

उन्होंने स्पष्ट कहा कि समय पर शिकायतों का समाधान नहीं होने पर जिमेदार अधिकारियों के खिलाफ सत कार्रवाई की जाएगी। मुयमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन अधिकारियों की हेल्पलाइन शिकायतों के निस्तारण में शून्य प्रतिशत प्रगति है, उन्हें विभागाध्यक्ष तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करें। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

लॉन बॉल में भारत की लगातार दूसरी जीत, भारोत्तोलन में मार्टिना पदक से चूकीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रमंडल खेल 2026 (सीडब्ल्यूजी) के आठवें दिन भारत को लॉन बॉल में शानदार जीत मिली, जबकि भारोत्तोलन में भारतीय खिलाड़ी मार्टिना देवी पदक जीतने से मामूली अंतर से चूक गई। लॉन बॉल के पुरुष पेयर्स सेक्शन-बी के दूसरे राउंड में नवनीत सिंह और दिनेश कुमार की भारतीय जोड़ी ने बोत्सवाना के कायजर गेचे और चार्ल्स डिटेको को रोमांचक मुकाबले में टाईब्रेक के बाद 1-0 से हराया। निर्धारित मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ था। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने प्रतियोगिता में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। वहीं, महिला 86+ किलोग्राम भार वर्ग में भारतीय भारोत्तोलक मार्टिना देवी पदक से चूक गईं। उन्होंने कुल 240 किलोग्राम वजन उठाया, जो पदक जीतने के लिए पर्याप्त नहीं रहा।

मार्टिना ने स्नैच में 105 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 140 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। हालांकि क्लीन एंड जर्क के दूसरे प्रयास में 144 किलोग्राम और तीसरे प्रयास में 146 किलोग्राम वजन उठाने में वह असफल रहीं। यदि वह तीसरे प्रयास में 146 किलोग्राम वजन उठा लेतीं तो कांस्य पदक अपने नाम कर सकती थीं। स्नैच राउंड के बाद मार्टिना पांचवें स्थान पर थीं, लेकिन अंतिम दौर में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद वह पोडियम तक पहुंचने में सफल नहीं हो सकीं। बावजूद इसके, उन्होंने कड़ा संघर्ष करते हुए भारत के लिए सराहनीय प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त खबरें

सावन के प्रथम दिन भरोहिया जैसर नाथ मंदिर में उमड़ी भारी भीड़, 'बोल बम' से गूंजा मंदिर परिसर

खजनी, गोरखपुर भगवान शिव का पावन महीना सावन गुरुवार से शुरू होते ही खजनी तहसील के प्रसिद्ध भरोहिया जैसर नाथ शिव मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रातः 4 बजे से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गई और पूरा परिसर 'हर हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठा। सावन के पहले दिन भक्त गंगाजल, कच्चा दूध, बेलपत्र और धतूरा लेकर मंदिर पहुंचे। मंदिर के पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक और हवन संपन्न कराया। ग्रामीणों की मान्यता है कि सावन में यहां सच्चे मन से की गई पूजा से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

भरोहिया, सीकरीगंज, बेलघाट उरुआ, गोला, बाँसगाँव सहजनवाँऔर आसपास के दर्जनों गांवों से महिला, पुरुष और बच्चे दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिर कमेटी और ग्राम प्रधान द्वारा साफ-सफाई, पेयजल और सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई थी। महिलाओं के लिए अलग से दर्शन की कतार बनाई गई। मंदिर समिति के अनुसार सावन भर प्रतिदिन सुबह-शाम आरती, जलाभिषेक और सांवन माह मे सुबह शाम विशेष भंडारा शुरू हो गया है,पहला सावन सोमवार 3 अगस्त 2026 को है, जिस दिन सबसे अधिक भीड़ की संभावना है। भक्तों में शिव भक्ति का गजब का उत्साह देखने को मिला।

बच्चों के जन्मजात बीमारियों के मुफ्त इलाज को लेकर किया गया जागरूक

रतनपुर/महराजगंज।नौतनवां ब्लॉक मुख्यालय रतनपुर के सभागार कक्ष में बृहस्पतिवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रोजेक्ट पहचान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में नौतनवां के विकास खण्ड अधिकारी अमित कुमार मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की एएनएम, सीएचओ और ग्राम विकास सचिव मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक के दौरान जन्म से लेकर छह वर्ष तक के बच्चों में होने वाली जन्मजात और विकास संबंधी बीमारियों की समय पर पहचान और उनके उचित उपचार को लेकर उपस्थित कर्मियों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. सत्येंद्र कुमार त्रिपाठी ने प्रोजेक्ट पहचान के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों में शारीरिक व मानसिक विकारों की समय रहते पहचान करना और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय सहायता व निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना है। उन्होंने स्वास्थ्य और विकास खण्ड के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से आपसी समन्वय बनाकर इस अभियान को पूरी तरह सफल बनाने का आह्वान किया।

मत्स्य विभाग की विभिन्न योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- वित्तीय वर्ष 2026-27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 05 अगस्त, 2026 कर दी गई है। पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 निर्धारित थी। सहायक निदेशक मत्स्य आधिकारी शुभम कश्यप ने बताया कि इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम स्थापना योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं, अंतर्देशीय खारे जल क्षेत्रों में नवीन तालाब निर्माण एवं प्रथम वर्ष निवेश योजना, उत्तर प्रदेश मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजनाओं का विस्तृत विवरण, इकाई लागत, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक अभिलेख एवं दिशा-निर्देश विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध हैं। जनपद के मत्स्य पालकों, मत्स्य कृषकों, महिला स्वयं सहायता समूहों, युवाओं एवं इच्छुक उद्यमियों से अपील की गई है कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय से अपना आवेदन अवश्य करें। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, विकास भवन, सोनभद्र अथवा मत्स्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश के हेल्पलाइन नंबर 0522-2740270 पर संपर्क कर सकते हैं।

सरकारी नौकरी के नाम पर 11 लाख की ठगी का भंडाफोड़

फर्जी नियुक्ति पत्र थमाकर युवक से ऐंठी रकम, शातिर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक शातिर जालसाज को पीपीगंज थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने बेरोजगार युवक को सरकारी विभाग में नौकरी दिलाने का भरोसा देकर उससे 11 लाख 18 हजार 400 रुपये वसूल लिए। इतना ही नहीं, भरोसा कायम रखने के लिए उसने फर्जी नियुक्ति पत्र और फर्जी पहचान पत्र भी तैयार कर पीड़ित को सौंप दिया। जब दस्तावेजों की सच्चाई सामने आई तो पूरे ठगी के खेल का पर्दाफाश हो गया। पुलिस के अनुसार पीड़ित ने शिकायत में बताया कि आरोपी संतोष कुमार गौतम ने खुद को प्रभावशाली बताते हुए सरकारी नौकरी लगवाने का दावा किया था। नौकरी मिलने की उम्मीद में पीड़ित ने अलग-अलग किस्तों में आरोपी को 11.18 लाख रुपये दे दिए। कुछ समय बाद आरोपी ने उसे नियुक्ति पत्र और आईडी कार्ड देकर ज्वाइनिंग का भरोसा दिलाया, लेकिन जांच में सभी दस्तावेज फर्जी निकले।

पीड़ित ने जब अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी ने पैसे लौटाने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़ित ने थाना पीपीगंज में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक उत्तरी के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज के पर्यवेक्षण में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान संतोष कुमार गौतम पुत्र हरी प्रसाद, निवासी अन्हारीबाग, थाना कुबेरस्थान, जनपद कुशीनगर के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनकी जानकारी जुटाई जा रही है।

जांच एजेंसियां अब यह भी पता लगाने

में जुटी हैं कि इस ठगी के नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा कहीं अन्य बेरोजगार युवाओं को भी इसी तरह का शिकार तो नहीं बनाया गया। पुलिस का मानना है कि पूछताछ में कई और अहम खुलासे हो सकते हैं। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर किसी भी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। नियुक्ति प्रक्रिया केवल अधिकृत सरकारी माध्यमों से ही होती है। यदि कोई व्यक्ति नौकरी के नाम पर रुपये मांगता है या फर्जी नियुक्ति पत्र देता है, तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि ऐसे शातिर ठगों के खिलाफ समय रहते कार्रवाई की जा सके।

बीआरसी पर पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का शुभारंभ

नई पाठ्यपुस्तकों पर हुआ गहन मंथन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। निपुण भारत मिशन के अंतर्गत नौतनवा ब्लॉक के रतनपुर बीआरसी पर एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता प्रशिक्षण का विधिवत शुभारंभ हुआ, जिसके प्रथम बैच में क्षेत्र के 100 प्राथमिक शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के पहले दिन मुख्य रूप से कक्षा चार के पाठ्यक्रम पर ध्यान केंद्रित करते हुए अकादमिक रिसोर्स पर्सन रविन्द्र त्रिपाठी, कौशल कुमार कसौधन, अभिषेक जायसवाल, मनीष गुप्ता और शशांक शेखर तिवारी द्वारा नई हिंदी पाठ्यपुस्तक वीणा और गणित की पुस्तक गणित मेला की संरचना व शिक्षण विधा पर

विस्तार से चर्चा कर शिक्षकों के बीच एक गहरी समझ बनाई गई।

इस शैक्षिक कार्यशाला के दौरान कक्षा चार के विशेष संदर्भों के अनुसार शिक्षण पद्धतियों को अनुसूचित करने की व्यावहारिक तकनीकें सिखाई गईं, साथ ही वीणा पुस्तक में प्रतिस्थापित किए गए नए पाठों के औचित्य पर गंभीर मंथन करते हुए बच्चों में रटने की प्रवृत्ति को खत्म करने और उनके भीतर स्वतंत्र पठन-पाठन की आदत विकसित करने के लिए शिक्षकों को विस्तार से प्रशिक्षित किया गया।

जननायक इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति 5.0 के तहत जागरूकता कार्यक्रम

गोंडा। उत्तर प्रदेश शासन एवं पुलिस अधीक्षक गोंडा विनीत जायसवाल के निर्देशन में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत थाना खोड़ारे की मिशन शक्ति टीम ने जननायक इंटर कॉलेज, बक्सरिया ग्रांट में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में महिलाओं, बालिकाओं एवं छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई।साथ ही मिशन शक्ति केंद्र के बारे में भी जागरूक करते हुए पंपलेट वितरित किए गए और फीडबैक भी लिया गया। इस दौरान उपनिरीक्षक ज्ञानेंद्र शुक्ला एवं महिला कांस्टेबल वंदना अग्निहोत्री उपस्थित रहीं।

खाकी हुई शर्मसारः जिला अस्पताल से अगवा 10 वर्षीय मासूम की हत्या

डायल-112 का सिपाही गिरफ्तार; रोहिणी नदी से मिला शव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

~~गोरखपुर। गोरखपुर को झकझोर देने वाली~~ दिल दहला देने वाली वारदात में डायल-112 में तैनात एक सिपाही पर 10 वर्षीय मासूम बच्ची के अपहरण के बाद उसकी हत्या करने का आरोप साबित होने की दिशा में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुरुवार सुबह पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मानीराम क्षेत्र के चिउटहा पुल के पास रोहिणी नदी से बच्ची का शव बरामद किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। पुलिस ने दुष्कर्म की आशंका के पहलू को भी जांच में शामिल किया है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। घटना 28 जुलाई की रात की है। आजमगढ़ के कप्तानगंज निवासी पीड़ित परिवार पिछले चार वर्षों से गोरखपुर में किराये पर रहकर जीवनयापन कर रहा है। परिवार की 13 वर्षीय बेटी जिला अस्पताल में भर्ती थी। उसकी छोटी बहन रात करीब साढ़े आठ बजे खाना देने अस्पताल पहुंची थी। रात लगभग 10 बजे अस्पताल से निकलने के बाद वह रहस्यमय ढंग से लापता हो गई। काफी तलाश के बावजूद जब उसका पता नहीं चला तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी।

परिजनों के अनुसार, अस्पताल में भर्ती बड़ी बहन ने बताया कि पुलिस की वर्दी पहने एक व्यक्ति दोनों बहनों के पास आया और घर का पता पूछने के बहाने बातचीत करने लगा। उसने देर रात होने का हवाला देते हुए बच्ची को घर छोड़ने की बात कही और बाद में उसे अपने साथ ले गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कई टीमें गठित कर जिला अस्पताल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। करीब 39 सेकेंड की फुटेज में वर्दीधारी सिपाही बच्ची के पीछे-पीछे जाता और कुछ देर बाद उसे बाइक पर बैठाकर ले जाता दिखाई दिया। इसी सुराग के आधार पर बाइक नंबर ट्रेस कर डायल-112 में तैनात सिपाही अभिषेक यादव को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने कथित रूप से

अपराध स्वीकार करते हुए शव रोहिणी नदी में फेंकने की जानकारी दी। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने शव बरामद कर लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने प्रेसवार्ता में आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि उसके विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा सेवा से बर्खास्तगी की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी पर पहले भी आपराधिक आरोप लग चुके हैं। मामले की विस्तृत जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की धाराएं तय की जाएंगी।

सावन शुरू होते ही शिवालयों में उमड़े भक्त, मंदिरों में गूंजने लगा हर-हर महादेव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आजमगढ़। भगवान शिव का महीना माने जाने वाला सावन 30 जुलाई से शुरू हो गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु की भीड़ उमड़ने लगी और भोले बाबा का जलाभिषेक भी होने लगा। इसके दृष्टिगत शिव मंदिरों में तैयारी पूरी कर ली गई है। सफाई हो चुकी है। प्रकाश की समुचित व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं के सहयोग के लिए स्वयंसेवक तैनात किए गए हैं। मंदिरों के बाहर भांग-धतूरे व बिल्वपत्रों की दुकानें सज गई हैं।

देश-विदेश में स्थापित शिव लिंगों में जहां काठमांडू के बाबा पशुपति नाथ, काशी के बाबा विश्वनाथ और देवघर के बाबा बैजनाथ धाम का विशेष महत्व माना जाता है,वहीं नगर क्षेत्र में लोगों के लिए बाबा भंवरनाथ के दर्शन-पूजन का खास महत्व है। नगर के पश्चिमी छोर पर स्थित मंदिर के बारे में मान्यता है कि दर्शन-पूजन करने से बाबा भंवरनाथ अपने भक्तों को संकटों मुक्ति दिलाते हैं। यही वजह है कि शिव

आराधना का कोई भी पर्व आता है तो शहर एवं आसपास के लोग यहां जरूर पहुंचते हैं। नगर के शंकर तिराहा, पुरानी कोतवाली, रेलवे स्टेशन बौरहवा बाबा मंदिर सहित अन्य शिवालयों में सफाई के अलावा सजाने व संवारने का कार्य पुजारी व मंदिर के लोगों ने किया। इसी क्रम में महराजगंज बाजार स्थित भैरव बाबा मंदिर, मेंहनगर में महामंडलेश्वर, फूलपुर में दुर्वासा धाम, निजामाबाद में दत्तात्रेय, रानी की सराय में अवंतिकापुरी धाम सहित सगड़ी तहसील के नैनीजोर स्थित शिव मंदिर में सावन शुरू होने के एक दिन पहले तक साफ-सफाई का कार्य चलता रहा।

सावन स्पेशलः शिव मंदिरों में सफाई अभियान शुरू

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। सावन माह के मद्देनजर नगर पंचायत बिस्कोहर कार्यालय सभागार में बुधवार रात अध्यक्ष अजय गुप्ता की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इसमें कार्यालय स्टाफ, सुपरवाइजर, इलेक्ट्रीशियन, चालक एवं सफाई कर्मचारी मौजूद रहे। अध्यक्ष ने सभी सुपरवाइजरों और सफाई कर्मचारियों को निर्धारित वार्डों में समय से पहुंचकर मंदिरों और शिवालयों की विशेष साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बारिश के दौरान कहीं भी जलजमाव न होने देने के लिए नालियों की नियमित सफाई और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा। साथ ही कर्मचारियों से अपने दायित्वों का जिम्मेदारी और पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया, ताकि सावन में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

आजमगढ़ में दो सीएम मॉडल स्कूलों के लिए 22.46 करोड़ रुपये आवंटित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आजमगढ़। जिले में आधुनिक सुविधाओं से युक्त दो सीएम मॉडल स्कूल बनाए जाएंगे। इसके लिए शासन ने 22 करोड़ 46 लाख रुपये आवंटित कर दिया है। इसमें 11 करोड़ 23 लाख रुपये मिर्जापुर ब्लॉक के असगड़ा मुस्तफाबाद में बन रहे सीएम मॉडल स्कूल के लिए कुछ माह पूर्व ही प्रथम किस्त के रूप में आवंटित कर दिया था। यहां पर स्कूल का निर्माण कार्य उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड ने शुरू करा दिया है। इसके साथ ही दूसरा सीएम मॉडल स्कूल जहानागंज ब्लाक के सेमा में बनेगा, इसके लिए भी शासन से 11 करोड़ 23 लाख रुपये आवंटित कर दिया गया है। सीएम मॉडल स्कूल में प्री-प्राइमरी से इंटरमीडिएट तक की कक्षाएं चलेंगी। सीएम मॉडल स्कूल में प्रवेश लेने वालों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

सीएम मॉडल स्कूलों का निर्माण करीब पांच एकड़ जमीन में कराया जा रहा है। इसे निजी कान्वेंट स्कूलों की तरह उच्चस्तरीय, आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए बनाए जा रहे हैं। इसकी प्रमुख विशेषता प्री-प्राइमरी से 12 वीं तक की एकीकृत शिक्षा, स्मार्ट क्लासरूम और आधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाएं हैं। डिजिटल और स्मार्ट शिक्षा के तहत सभी कक्षाओं में स्मार्ट क्लासरूम, आईसीटी लैब और डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था होगी। इसके साथ ही यहां पर खेल का बड़ा मैदान,

बहुउद्देशीय हाल भी होगा। स्कूल का पूरा परिसर सीसीटीवी की निगरानी में रहेगा। जिले में दो सीएम मॉडल स्कूलों का बनना, बड़ी उपलब्धि है। प्रथम किस्त जारी हो गई है और दोनो स्कूल को वर्ष 2028 तक बनाने का लक्ष्य मिला है। यहां पर प्रवेश लेने वाले छात्रों को गुणवत्तायुक्त बेहतर शिक्षा मिलेगी। एक ही परिसर में शिक्षा के साथ ही खेल एवं अन्य शैक्षणिक लाभ छात्र-छात्राओं को मिलेगा।

खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में लगी आग, महिला और बच्चों ने छत से कूदकर बचाई जान, ग्रामीणों ने आग बुझाई

सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र के चिल्हिया कस्बे में उस समय हड़कंप मच गया, जब खाना बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई। देखते ही देखते आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं, जिससे आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि आग लगने के दौरान घर के अंदर महिला और बच्चा फंस गए। आग की भयावह स्थिति को देखते हुए दोनों ने छत से कूदकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई।

ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फिलहाल, गैस सिलेंडर में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। घटना चिल्हिया कस्बे की बताई जा रही है।

मंदिर के पास 55 वर्षीय महिला का शव बरामद

बाएं हाथ पर 'सुभाष सिंह' गुदा मिला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। शहर के बुढ़िया माता मंदिर के पास गुरुवार को करीब 55 वर्षीय अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह मंदिर आने-जाने वाले लोगों ने सड़क किनारे एक महिला को संदिग्ध परिस्थितियों में अचेत अवस्था में पड़ा देखा। काफी देर तक कोई हरकत न होने पर स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही संबंधित थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस ने महिला को मृत घोषित करते हुए शव को कब्जे में ले लिया। प्रथम दृष्टया महिला की उम्र लगभग 55 वर्ष आंकी जा रही है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी।

जांच के दौरान पुलिस को महिला के बाएं हाथ पर 'सुभाष सिंह' नाम गुदा (टैटू) हुआ मिला, जिसे पहचान का महत्वपूर्ण सुराग माना जा रहा है। पुलिस इसी आधार पर महिला की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि महिला आसपास की रहने वाली नहीं लग रही है। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की, लेकिन कोई भी उसकी पहचान

नहीं कर सका। इसके बाद शव को पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि महिला वहां कब और कैसे पहुंची। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि मौत स्वाभाविक है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस ने आसपास के थानों तथा गुमशुदगी के अभिलेखों का भी मिलान शुरू कर दिया है। आमजन से अपील की गई है कि यदि कोई व्यक्ति महिला की पहचान के संबंध में जानकारी रखता हो या उसके बाएं हाथ पर गुदे 'सुभाष सिंह' नाम के आधार पर कोई सुराग मिल सके, तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है और महिला की पहचान के साथ-साथ मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने का प्रयास जारी है।

खजनी में 10 वर्षीय वैभव की हत्या मामले में बड़ा खुलासा

साजिश रचने के आरोप में परिवार की दो महिलाओं समेत चार गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र में 10 वर्षीय वैभव हत्या के अपहरण और हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए षड़यंत्र में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दो पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के अनुसार सभी पर अपहरण और हत्या की साजिश रचने का आरोप है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक दक्षिणी के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी खजनी के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक जयन्त कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक, 27 जुलाई 2026 को एक व्यक्ति ने अपने 10 वर्षीय पुत्र के अचानक लापता होने की सूचना थाना खजनी में दी थी। शिकायत के आधार पर गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के साक्ष्य, स्थानीय लोगों से पूछताछ तथा अन्य तकनीकी तथ्यों के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़नी शुरू कीं। जांच में सामने आया कि पड़ोस में रहने वाला सर्वेश कुमार भट्ट उर्फ बिट्टू मासूम को अपने साथ ले गया था। इसके बाद उसकी हत्या कर दी गई। इस खुलासे के बाद पुलिस ने हत्या और अपहरण की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच का दायरा बढ़ाया।

विस्तृत विवेचना में पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि घटना केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसमें परिवार के अन्य सदस्यों की भी कथित भूमिका रही। इसी आधार पर पुलिस ने षड़यंत्र में शामिल होने के आरोप में हरिनरायण शर्मा, सत्येन्द्र कुमार भट्ट उर्फ जिले, अनामिका शर्मा तथा बबली शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपी खजनी थाना क्षेत्र के रूद्रपुर सीबी सिंह गली के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध थाना खजनी में दर्ज मुकदमा संख्या 239/2026 में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत

कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक जयन्त कुमार सिंह, महिला उपनिरीक्षक प्रीति यादव, हेड कांस्टेबल अनिल चौधरी, कांस्टेबल अरविन्द यादव, आरक्षी संस्कार यादव तथा महिला कांस्टेबल अंकिता गुप्ता शामिल रहीं। मासूम की हत्या की इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस का कहना है कि मामले के हर पहलू की गहन जांच की जा रही है और यदि विवेचना में अन्य किसी व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पिपरी पुलिस ने ठगी के रुपये पीड़ित के खाते में कराए वापस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- साइबर अपराधों की रोकथाम एवं साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के कुशल पर्यवेक्षण में थाना पिपरी पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए साइबर फ्रॉड की धनराशि पीड़ित के खाते में वापस कराई गई। पीड़ित विक्की निवासी रेनूकूट, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा साइबर फ्रॉड कर धनराशि स्थानांतरित करा ली गई थी। घटना की सूचना प्राप्त होने पर थाना पिपरी पुलिस द्वारा तत्काल बैंक से पत्राचार कर फ्रॉड की गई धनराशि को होल्ड कराया गया तथा निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत नोटिस जारी कर कुल ?14,283/- (चौदह हजार दो सौ तिरासी रुपये) की धनराशि आवेदक के मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराई गई।धनराशि वापस मिलने पर आवेदक द्वारा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अपर पुलिस

अधीक्षक (मुख्यालय) सोनभद्र एवं थाना पिपरी पुलिस के अधिकारी/कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

धनराशि वापस कराने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष राजेश जी चौबे, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र, चौकी प्रभारी रेनूकूट जितेन्द्र सरोज, उ0नि0 दिलीप कुमार सिंह, रि0आ0 अविनाश पाण्डेय,

रि0म0आ0 नीतू सिंह शामिल रहीं। सोनभद्र पुलिस की अपील यदि आप किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी के शिकार होते हैं, तो तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें अथवा [www.cybercrime.gov.in](http://www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे समय रहते प्रभावी कार्रवाई कर आपकी धनराशि वापस कराई जा सके।

मक्का (भुट्टा) स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायकः आयुर्वेदाचार्य पवन पाण्डेय

सिद्धार्थनगर। मक्का स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। इसके सेवन से पाचन सहित अन्य शारीरिक समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। इन दिनों बाजार में आसानी से मक्का मिल रहा है। इसे भूनकर भुट्टा के रूप में उपयोग भी लाभदायक होता है। यह सलाह आयुर्वेदाचार्य पवन पाण्डेय ने दी है। उन्होने कहा की मक्का फाइबर, विटामिन एबीसी और एंटीऑक्सीडेंट का बेहतरीन स्रोत है, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है, आंखों की रोशनी बढ़ाता है और हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है। इसमें मौजूद उच्च फाइबर और प्रतिरोधी स्टार्च (प्रीबायोटिक) कब्ज की समस्या को दूर करते हैं और आंतों के स्वस्थ बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं। मक्के में ल्यूटिन और ज़ेक्सैंथिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो मोतियाबिंद और उम्र से जुड़ी आंखों की बीमारियों से बचाते हैं। मक्का कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है, जिससे दिल की सेहत बेहतर होती है। यह जटिल कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होता है, जो शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करता है। इसमें आयरन और विटामिन बी9 (फोलेट) पाया जाता है, जो शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं को बनाने और एनीमिया को रोकने में मदद करता है।

फुलवारी संस्थानों का भव्य काव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व के शुभ अवसर पर फुलवारी पब्लिक स्कूल एवं फुलवारी पॉड हेवन के संयुक्त तत्वावधान में गोंडा के ऐतिहासिक टाउनहॉल में एक अनूठे भव्य काव्य अनुष्ठान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गोंडा सदर के विधायक माननीय प्रतीक भूषण जी, एल.आई.यू. क्षेत्राधिकारी सुरेश कुमार मिश्रा जी, एडिशनल एस.पी. राधे श्याम राय जी, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राम चंद्र जी, राजेश सिंह जी, फुलवारी पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष वीर विक्रम सिंह जी एवं मालती सिंह जी, जसपाल सिंह सलूजा जी तथा कार्यक्रम की आयोजिका एवं स्कूल की प्रबंधिका श्रीमती नीता सिंह जी द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। इस साहित्यिक महाकुंभ में हिंदी साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष क्रांति कवि सौरभ जैन 'सुमन' जी की उपस्थिति मुख्य आकर्षण का केंद्र रही।

इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में देश के

लगभग 101 महान कवियों ने अपनी श्रेष्ठ रचनाओं का पाठ किया, जिससे पूरा टाउनहॉल गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर माँ शारदे के 51 नवोदित वाणी पुत्र-पुत्रियों को देश का एक बड़ा मंच प्रदान कर काव्य पाठ का अवसर दिया गया, वहीं साहित्य के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए गोंडा के 14 महान कवियों को सम्मानित भी किया गया। काव्य संध्या में देश के स्थापित कवियों घनश्याम अवस्थी, संत शरण त्रिपाठी, मुकेश सोनी, रवींद्र पांडेय, सुरेश मोकलपुरी, अशोक कुमार पाण्डेय, किरण सिंह, परीक्षित तिवारी, सोमनाथ कश्यप, कुलदीप कलश, मीना बंधन, अनुपम पांडेय, लोकेश त्रिपाठी, पुष्कर सुल्तानपूरी, योगेश चौहान, संध्या त्रिपाठी, अजय प्रधान, आशीष सिंह, हरीबहादुर 'हर्ष', कर्मराज शर्मा 'तुकांत' एवं योगेंद्र योगी

ने अपनी कालजयी रचनाओं से समां बांध दिया। इसके साथ ही आमंत्रित युवा कवियों दिव्यांश मिश्र, मानस त्रिपाठी, अमित निर्भय, उमेश सोनी, विनय शुक्ल, रजत कुमार मिश्र, विशाल मिश्र, गुलाब मुन्तशिर, रिंकू सिंह राज, शिप्रा सिंह, उत्कर्ष शुक्ल, आशुतोष त्रिपाठी, विख्यात मिश्र, चंदन तिवारी, वैष्णव सिंह, गुलजार और अतुल पांडे के कुशल प्रबंधन में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के संरक्षक कैप्टन क्रांति कुमार सिंह जी ने अपने धन्यवाद संदेश में कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश के युवा कवियों को एक बड़ा मंच प्रदान करना और गोंडा के महान कवियों का सम्मान करना था। आयोजन के दौरान फुलवारी पब्लिक स्कूल के सभी शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कोक्लियर इम्प्लांट के बाद स्पीच थेरेपी की सुविधा बढ़ाने पर जोर

राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप ने शल्य चिकित्सा अनुदान समिति की बैठक में दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण (स्वतंत्र प्रभार) राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप की अध्यक्षता में गुरुवार को विधानसभा स्थित कार्यालय में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की शल्य चिकित्सा अनुदान समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कोक्लियर इम्प्लांट सर्जरी और उसके बाद मिलने वाली स्पीच थेरेपी की सुविधाओं की समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि कोक्लियर इम्प्लांट सर्जरी के लिए 340 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 200 लाभार्थियों की सर्जरी के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध है। शेष आवेदनों के लिए अतिरिक्त बजट की मांग करते हुए शासन को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। धनराशि स्वीकृत होने के बाद बाकी पात्र आवेदकों को भी योजना का लाभ दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि कोक्लियर इम्प्लांट सर्जरी के बाद स्पीच थेरेपी अत्यंत आवश्यक होती है। इसके बिना सर्जरी का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता। सरकार प्रत्येक सर्जरी पर 5 से 6 लाख रुपये खर्च करती है, लेकिन प्रदेश के सभी जिलों और मंडलों में स्पीच थेरेपी की सुविधा उपलब्ध नहीं होने से लाभार्थियों को दूसरे शहरों में जाकर उपचार कराना पड़ता है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस पर राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप ने प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह को निर्देश दिए कि ऐसा प्रस्ताव तैयार किया जाए, जिससे लाभार्थियों को उनके क्षेत्र के निकट ही स्पीच थेरेपी की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। प्रमुख सचिव ने बताया कि मंडल स्तर पर डिस्ट्रिक्ट डिसएबिलिटी रिहैबिलिटेशन सेंटर (डीडीआरसी) स्थापित होने से इस समस्या का समाधान संभव होगा। राज्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश की प्रत्येक कमिश्नरी में कम से कम एक अस्पताल को पैनल में शामिल किया जाए, जहां कोक्लियर इम्प्लांट के बाद स्पीच थेरेपी की सुविधा उपलब्ध हो, ताकि दिव्यांग बच्चों और उनके परिवारों को बेहतर उपचार मिल सके। बैठक में प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक रणजीत सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संवैधानिक आरक्षण के विरोध में वैमनस्य फैलाने वालों पर कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 30 जुलाई संविधान प्रदत्त आरक्षण, सामाजिक न्याय और सामाजिक सद्भाव की रक्षा की मांग को लेकर डॉ. बी. पी. अशोक (पूर्व आईपीएस, पीएच.डी., डी.लिट.) के नेतृत्व में महामहिम राष्ट्रपति महोदया को एक ज्ञापन प्रेषित किया गया। ज्ञापन में आरक्षण के विरुद्ध भ्रामक प्रचार करने तथा समाज में वैमनस्य फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि संविधान द्वारा प्रदत्त आरक्षण सामाजिक न्याय, समान अवसर और वंचित वर्गों के प्रतिनिधित्व का महत्वपूर्ण आधार है। आरक्षण विरोधी भ्रामक अभियान सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करने का कार्य कर रहे हैं, जिन पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जाने चाहिए। इस अवसर पर पासी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन रावत ने कहा कि संविधान और सामाजिक न्याय की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि समाज को विभाजित करने वाली राजनीति के बजाय समान अवसर, शिक्षा और प्रतिनिधित्व को मजबूत करने की आवश्यकता है। पासी सेना के राष्ट्रीय महासचिव सचिन रावत ने कहा कि संविधान के विरुद्ध नफरत फैलाने वाले बयानों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए तथा सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाने चाहिए। शिवशरण प्रसाद पासी (पार्टी) ने कहा कि देश की एकता और लोकतंत्र की मजबूती सामाजिक न्याय एवं संवैधानिक व्यवस्था के सम्मान में निहित है। वहीं, पासी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामेश्वर आजाद ने संविधान में निहित समानता, न्याय और बंधुत्व के सिद्धांतों की रक्षा को सभी संस्थाओं और नागरिकों की साझा जिम्मेदारी बताया। ज्ञापन में राष्ट्रपति महोदया से संविधान प्रदत्त आरक्षण, सामाजिक न्याय और सामाजिक सद्भाव की रक्षा के लिए आवश्यक संवैधानिक एवं विधिक कदम उठाने तथा समाज में वैमनस्य फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई।

किसानों की चार समस्याओं को लेकर एसडीएम से मिले भाकियू अम्बावता पदाधिकारी

.......यूरिया वितरण, अंश निर्धारण, सिंचाई और छुट्टा पशुओं का मुद्दा उठाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, संवाददाता। भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) के पदाधिकारियों ने गुरुवार को जिला अध्यक्ष सरदार दिलराज सिंह के नेतृत्व में एसडीएम मोहनलालगंज आकाश सिंह से मुलाकात कर किसानों की चार प्रमुख समस्याओं के समाधान की मांग की। एसडीएम ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया। भाकियू पदाधिकारियों ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री की अनिवार्यता के कारण कई किसानों को समय पर यूरिया खाद नहीं मिल पा रही है। उन्होंने आधार कार्ड और खतौनी के आधार पर यूरिया उपलब्ध कराने की मांग की। इसके अलावा सह-खातेदारों के अंश निर्धारण में हो रही देरी, नहरों व माइनरों में पर्याप्त पानी न छोड़े जाने तथा छुट्टा पशुओं से फसलों को हो रहे नुकसान का मुद्दा भी उठाया। किसानों ने बताया कि आवारा पशुओं के कारण उन्हें रातभर खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है। संगठन ने गौशालाओं को सक्रिय कर छुट्टा पशुओं को वहां भेजने की मांग की। एसडीएम आकाश सिंह ने किसानों की समस्याएं सुनने के बाद कहा कि सभी मांगों पर संबंधित विभागों से रिपोर्ट लेकर आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी। उन्होंने खाद वितरण, सिंचाई व्यवस्था और अंश निर्धारण से जुड़े मामलों में जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सुनील वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव कुमार, वरिष्ठ महामंत्री जितेंद्र बहादुर सिंह, वरिष्ठ प्रवक्ता जन्मेजय सिंह, जिला प्रभारी राजकुमार यादव, युवा जिला अध्यक्ष करन गुप्ता बीरू, जिला महामंत्री वीरेंद्र यादव, जिला सचिव बैजनाथ रावत, मंडल प्रभारी बद्री प्रसाद रावत, नगर अध्यक्ष विनोद धीमान, महिला जिला अध्यक्ष नबीहूंन खान, महिला प्रभारी प्रेमवती, युवा नगर अध्यक्ष वीरपाल लोधी, किसान नेता जितेंद्र साहू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और किसान मौजूद रहे।

लखनऊ कोर्ट ने पॉक्सो मामले में आरोपी को 20 साल की सख्त सजा सुनाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के विशेष न्यायालय पॉक्सो ने नाबालिग पीड़िता के साथ बलात्कार और संबंधित अपराधों के मामले में आरोपी पूरन कश्यप को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर लगाए गए सभी आरोपों को साबित मानते हुए कठोर दंड दिया है। मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) कुमार प्रशान्त ने की। फैसला 30 जुलाई को सुनाया गया। अभियोग पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक अभिषेक उपाध्याय और अरुण कुमार ने दलीलें रखीं, जबकि बचाव पक्ष की ओर से निजी अधिवक्ता आर.एन. यादव उपस्थित रहे। मामले की पृष्ठभूमि पुलिस थाना वजीरगंज, जनपद लखनऊ की मुकदमा में आरोपी पूरन कश्यप (आयु 55 वर्ष, पुत्र स्व. भोला कश्यप, निवासी राजेन्द्र नगर, थाना नाका, लखनऊ) पर धारा 376(2)एन, 323, 504, 506, 452 भा.दं.सं. तथा धारा 5/6 POCSO एक्ट के तहत मुकदमा चलाया गया था। वादी (पीड़िता के पिता) के अनुसार, आरोपी (रिश्तेदार) 4 मई 2023 को उनके घर आकर 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री के साथ जबरन बलात्कार किया। पीड़िता की मां की मृत्यु हो चुकी थी और घर पर कोई जिम्मेदार सदस्य नहीं रहता था। आरोपी लगभग छह महीने तक मौका पाकर बार-बार बलात्कार करता रहा, जिससे पीड़िता गर्भवती हो गई। डॉक्टर ने छह महीने की गर्भावस्था की पुष्टि की। आरोपी ने कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए दबाव डालकर 19 नवंबर 2023 को पीड़िता का विवाह अपने बड़े बेटे आयुष कश्यप से करवा दिया।

अदालत का निर्णय और सजा

अदालत ने अभियोजन साक्ष्यों, मेडिकल रिपोर्ट तथा डीएनए रिपोर्ट (जिसमें आरोपी पीड़िता के नवजात शिशु का जैविक पिता साबित हुआ) पर विश्वास जताते हुए आरोपी को दोषी ठहराया। अदालत ने स्पष्ट कहा कि आरोपी ने नाबालिग रिश्तेदार की असहाय स्थिति का फायदा उठाकर गंभीर अपराध किया, इसलिए किसी तरह की नरमी नहीं दिखाई जा सकती। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। जेल में पूर्व में बिताई गई अवधि सजा में समायोजित की जाएगी। अर्थदंड की राशि पीड़िता को पुनर्वास के लिए दी जाएगी। अदालत ने पीड़िता की पहचान गोपनीय रखने का भी निर्देश दिया। अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ को भी निर्देश दिया है कि पीड़िता को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जाए। सजायाबी वॉरंट जिला कारागार लखनऊ भेजने तथा निर्णय की प्रतियां संबंधित अधिकारियों और पीड़िता को उपलब्ध कराने के आदेश दिए गए। यह फैसला नाबालिग बालिकाओं की सुरक्षा और पॉक्सो कानून के कड़े प्रावधानों को दोहराता है।

सुनाई गई सजाएं

- धारा 5/6 POCSO एक्ट (धारा 376(2)एन भा.दं.सं. सहित): 20 वर्ष कठोर कारावास तथा 50,000 अर्थदंड (अर्थदंड न देने पर 1 वर्ष अतिरिक्त साधारण कारावास)।
- धारा 452 भा.दं.सं.: 3 वर्ष कठोर कारावास तथा 5,000 अर्थदंड।
- धारा 323 भा.दं.सं.: 6 महीने कठोर कारावास तथा 1,000 अर्थदंड।
- धारा 504 भा.दं.सं.: 1 वर्ष कठोर कारावास तथा 1,000 अर्थदंड।
- धारा 506 भा.दं.सं.: 2 वर्ष कठोर कारावास तथा 2,000 अर्थदंड।

संक्षिप्त खबरें

प्रयागराज क्षेत्र के सात सेतु निर्माण कार्यों को 8.82 करोड़ रुपये की मंजूरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत प्रयागराज क्षेत्र के विभिन्न जनपदों में निर्माणाधीन सात सेतु परियोजनाओं के लिए 8 करोड़ 82 लाख 75 हजार रुपये की धनराशि आवंटित की है। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने शासनादेश जारी कर दिया है। जारी शासनादेश के अनुसार, यह धनराशि निर्माणाधीन सेतुओं के चालू कार्यों को गति देने के लिए उपलब्ध कराई गई है, ताकि परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जा सके। सरकार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी सेतु निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए तथा निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि में पूरा कराया जाए। साथ ही कार्यों की प्रगति से संबंधित समीक्षा रिपोर्ट नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए हैं। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क संपर्क और आवागमन की सुविधाओं को मजबूत करना है, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ क्षेत्रीय विकास को भी गति मिल सके।

44 सड़क परियोजनाओं के लिए 6.79 करोड़ रुपये की अवशेष धनराशि जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य सड़क निधि योजना के अंतर्गत विभिन्न मंडलों के अलग-अलग जनपदों में स्वीकृत एवं निर्माणाधीन 44 सड़क परियोजनाओं के लिए 6 करोड़ 78 लाख 91 हजार रुपये की अवशेष धनराशि जारी कर दी है। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने शासनादेश जारी कर दिया है। शासनादेश के अनुसार, जारी की गई धनराशि का उपयोग निर्माणाधीन सड़क कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि आवंटित राशि का उपयोग 31 मार्च 2027 तक हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि धनराशि के उपयोग का उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) 30 अप्रैल 2027 तक शासन को उपलब्ध कराया जाए।

अघोरी साधु के वेश में ठग ने युवक से सोने की अंगूठी चुराई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के हजरतगंज इलाके में एक शातिर ठग ने अघोरी साधु का भेष बदलकर युवक से सोने की अंगूठी चुरा ली। घटना नोवेल्टी चौराहे के पास हुई। पीड़ित की शिकायत पर हजरतगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड निवासी आकाश शुक्ला ने पुलिस को बताया कि 27 जुलाई को दोपहर करीब 2:40 बजे वह नोवेल्टी चौराहे के पास स्थित सरदार जी छोले-कुलचे की दुकान पर खाना खाकर बाहर निकले थे। तभी अघोरी साधु के वेश में एक व्यक्ति उनके पास आया और दान मांगने लगा। आकाश ने उसे 10 रुपये देने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने 10 रुपये लेने से इनकार कर 50 रुपये की मांग की। इसी बीच वह तरह-तरह की बातें कर आकाश का ध्यान भटकाता रहा। बातचीत के दौरान आरोपी ने बेहद सफाई से आकाश के दाहिने हाथ की अनामिका उंगली में पहनी सोने की अंगूठी निकाल ली। कुछ देर बाद जब आकाश को अंगूठी गायब होने का एहसास हुआ, तब तक वह व्यक्ति वहां से गायब हो चुका था। पीड़ित ने बताया कि घटना के समय वह अकेले थे और आरोपी ने उनकी कमजोरी का फायदा उठाया। आकाश ने पुलिस से मांग की है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जाए। उनके अनुसार नोवेल्टी चौराहे और आसपास के कई प्रतिष्ठानों पर कैमरे लगे हैं, जिनसे आरोपी की पहचान संभव है। पीड़ित ने आशंका जताई कि आरोपी इसी तरह भेष बदलकर अन्य लोगों को भी निशाना बना सकता है। पुलिस मामले की जांच कर आरोपी की तलाश में जुटी है।

दिव्यांगजन योजनाओं के प्रचार-प्रसार का बजट बढ़ाने की तैयारी

राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप ने 35 लाख से बढ़ाकर 1-2 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव तैयार करने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण (स्वतंत्र प्रभार) राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप की अध्यक्षता में गुरुवार को विधानसभा स्थित कार्यालय में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की प्रचार-प्रसार अनुदान समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभाग की कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और अधिक से अधिक दिव्यांगजनों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया। बैठक में मंत्री ने कहा कि प्रदेश में दिव्यांगता निवारण, उपचार, पुनर्वास और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रचार अभियान को और प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रचार-प्रसार मद में निर्धारित 35 लाख रुपये के बजट को बढ़ाकर 1 से 2 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रचार-प्रसार के लिए पपेट शो, नुक्कड़ नाटक, आकाशवाणी, एफएम रेडियो, जिंगल्स, दूरदर्शन सहित विभिन्न जनसंचार माध्यमों का उपयोग किया जाएगा। साथ ही प्रदेशभर में शिविर आयोजित कर लोगों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। राज्यमंत्री ने प्रदेश की 375 तहसीलों, सभी 18 मंडल मुख्यालयों, समस्त जनपदों तथा बहराइच, बलरामपुर, चंदौली, फतेहपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर और सोनभद्र जैसे आकांक्षी जिलों में होर्डिंग्स लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक माह के अंत में मंडल और जनपद स्तर पर विशेष शिविर आयोजित करने पर भी बल दिया। बैठक में स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से जनजागरूकता अभियान चलाने तथा फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर) और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रचार-प्रसार को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया। मंत्री ने कहा कि स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग को देखते हुए डिजिटल माध्यमों से लोगों तक योजनाओं की जानकारी तेजी से पहुंचाई जा सकती है। बैठक में प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक रणजीत सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत, जागरूकता अभियान तेज

लखनऊ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ ने जन-जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। प्रभारी सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष मलखान सिंह के मार्गदर्शन तथा नोडल अधिकारी प्रकाश तिवारी के निर्देशन में दीवानी न्यायालय परिसर, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, पारिवारिक न्यायालय, वाणिज्यिक न्यायालय, भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण, सभी तहसीलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी, वैवाहिक, मोटर दुर्घटना दावा, बैंक ऋण वसूली, श्रम, विद्युत, राजस्व, पारिवारिक, चेक बाउंस, प्री-लिटिगेशन, मध्यस्थता (आर्बिट्रेशन) सहित अन्य सुलह योग्य मामलों का आपसी सहमति के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

काकोरी ट्रेन एक्शन वर्षगांठ की तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा

स्मृति स्थल, शहीद मंदिर और अमर शहीद उद्यान का निरीक्षण, अधिकारियों को समयबद्ध तैयारियां पूरी करने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। आगामी 9 अगस्त को बाजनगर, काकोरी स्थित काकोरी स्मृति स्थल पर आयोजित होने वाले काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ के कार्यक्रम की तैयारियों का गुरुवार को जिलाधिकारी विशाख जी. ने स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल, पहुंच मार्ग और आसपास की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सभी तैयारियां समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, मरम्मत और सौंदर्यीकरण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नगर पंचायत काकोरी, नगर निगम और जिला पंचायत राज विभाग के समन्वय से पर्याप्त सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक प्रमुख स्थान पर सफाई कर्मियों की तैनाती के निर्देश दिए। बारिश की संभावना को देखते हुए जलभराव से निपटने के लिए भी आवश्यक इंतजाम करने को कहा। डीएम ने अपर निदेशक संस्कृति को काकोरी स्मृति स्थल स्थित शहीद मंदिर की रंगाई-पुताई, पुष्प सज्जा, शहीदों के नाम की नई पट्टिकाएं लगाने तथा काकोरी ट्रेन एक्शन की थीम पर आधारित आकर्षक सेल्फी प्वाइंट विकसित करने के निर्देश दिए। संस्कृति विभाग ने बताया कि इस वर्ष 'हर घर तिरंगा' अभियान से संबंधित स्टॉल भी लगाए जाएंगे। इसके बाद जिलाधिकारी ने अमर शहीद उद्यान का निरीक्षण कर प्रस्तावित वृक्षारोपण कार्यक्रम की तैयारियों का भी जायजा लिया। उन्होंने वन विभाग को वृक्षारोपण स्थल का चिन्हांकन कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी करने तथा उद्यान की साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गुरु पूर्णिमा पर भारतीय जन समाज पार्टी का 'शिक्षा संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजमोहन सिंह ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर देशवासियों, माता-पिता, शिक्षकों और सभी गुरुओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अध्यक्ष का संदेश: 'गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय॥' 'गुरु वो दीपक है जो जीवन के अंधकार को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश देता है। आज मैं अपने पहले गुरु – माता-पिता को, देश के करोड़ों शिक्षकों को और अपने आदर्श भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी को नमन करता हूं। जिन्होंने हमें 'सपने देखने' और 'उन्हें पूरा करने' की शिक्षा दी।'

BJSP का 'गुरु पूर्णिमा शिक्षा संकल्प':

1. शिक्षा सबका अधिकार – सरकार हर बच्चे को मुफ्त, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे। पेपर लीक करने वाले माफियाओं पर [illegible] लगे। 2. गुरु का सम्मान – सरकारी स्कूल के शिक्षकों का वेतन बढ़े और उन पर गैर-शैक्षणिक काम का बोझ न डाला जाए। 3. डॉ. कलाम लर्निंग सेंटर – हर जिले में गरीब बच्चों के लिए फ्री कोचिंग और लाइब्रेरी खोली जाए। 4. संस्कार + विज्ञान – स्कूलों में नैतिक शिक्षा के साथ विज्ञान, टेक्नोलॉजी और कौशल विकास अनिवार्य हो। अध्यक्ष ने कहा 'डॉ. भीमराव अंबेडकर जी ने कहा था 'शिक्षित बनो, संगठित रहो'। जब तक हर बच्चा शिक्षित नहीं होगा, तब तक जाति, गरीबी और बेरोजगारी नहीं मिटेगी।' देशवासियों से अपील: गुरु पूर्णिमा पर 1 किताब, 1 पेड़ और 1 घंटे का समय किसी जरूरतमंद बच्चे को दें। यही सच्ची गुरु दक्षिणा होगी। 'गुरु बिना ज्ञान नहीं, ज्ञान बिना भारत का विकास नहीं'

संपादकीय

साइबर अपराधियों का शिकंजा

संयुक्त राष्ट्र की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में एशिया प्रशांत क्षेत्र के नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिये साइबर अपराधियों ने 114 अरब डॉलर तक का नुकसान पहुंचाया है। यानी साइबर अपराधियों ने भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर एक समानांतर आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर दिया है। दरअसल, आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग करके साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, क्रिप्टोकरेंसी व फर्जी निवेश के प्रलोभन तथा विदेशों में नौकरी के सब्जबाग दिखाकर लोगों को लूट रहे हैं। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। गाहे-बगाहे बुजुर्गों व सेवानिवृत्त अधिकारियों की जीवन-भर की जमा पूंजी लूटने के मामले भारत में प्रकाश में आते रहते हैं। दरअसल, पुरानी पीढ़ी डिजिटल दुनिया की जटिलताओं और प्रलोभनों से इन अपराधियों के बुने जाल में फंस जाती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि आपराधिक कानूनों में 'डिजिटल अरेस्ट' को औपचारिक रूप से परिभाषित किया जाए। साथ ही इसे कड़ी सजा वाले एक अलग अपराध के तौर पर घोषित किया जाए। निश्चित रूप से डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते अपराधों के चलते ऐसे मामलों में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट में अपराधी ऑडियो व वीडियो कॉल के जरिये पुलिस, अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारी, अदालत के कर्मचारी तथा सरकारी अधिकारी बनकर पीड़ितों को इतना आतंकित करते हैं कि वे भयभीत होकर अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लुटवा बैठते हैं। बीते साल भी अंबाला के एक ऐसे ही जोड़े के पत्र के आधार पर कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया था। हाल में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में भारतीयों ने विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के मामलों में 22,845 करोड़ रुपये गंवा दिए। इस दौरान साइबर अपराध की करीब 22 लाख घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस तरह के अपराधों से निपटने के लिये किए जा रहे बहुआयामी प्रयासों को एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान किया जाए। निश्चित रूप से साइबर अपराध अब कभी-कभार होने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं। आज यह लगातार परेशान करने वाली हकीकत है। दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन की सहायता से साइबर अपराधी नित नये और जटिल तरीकों से लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाने का काम कर रहे हैं। इस संकट से निपटने में हमारी बैंकिंग व्यवस्था व नियामक वित्तीय अनुशासन बनाने वाली संस्थाएं कामयाब नहीं हो पा रही हैं। जैसे-जैसे प्रवर्तन एजेंसियां व पुलिस साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने की कोशिश में नई तकनीकों का उपयोग करते हैं, साइबर अपराधी नये तौर-तरीकों के जरिये और आगे निकल जाते हैं। निस्संदेह, यह एक कठिन चुनौती है, जिसके लिये हमें बचाव और तत्काल कार्रवाई की मजबूत रणनीति बनानी होगी। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि सिस्टम की किसी कमी का अपराधी कैसे आसानी से लाभ उठा जाते हैं। विडंबना यह भी है कि साइबर अपराध के नए रूप रातों-रात सामने आ जाते हैं। जब तक हम धोखाधड़ी का तुरंत पता लगाने और तुरंत कार्रवाई करने वाले सिस्टम नहीं बनाते, हमारा वित्तीय कामकाज अक्सर साइबर अपराधियों के निशाने पर बना रहेगा। कुछ समय पहले नूह और गुरुग्राम में बड़ी संख्या में साइबर अपराधियों का पता चला था। लेकिन आज अधिक संगठित साइबर धोखाधड़ी करने वाले वाले नए इलाकों का पता चल रहा है। इसमें कई अपराधी तो ऐसे हैं जिन्होंने कोई औपचारिक शिक्षा तक नहीं ली है। लेकिन वे पूरे देश में सीधे-सादे लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। बीते साल तीन सौ से अधिक संदिग्धों की गिरफ्तारी के बावजूद साइबर अपराधियों का नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है। बड़े पैमाने पर की गई सख्त कार्रवाई से भी अपराधियों में किसी तरह का भय न होना बताता है कि इस तरह के अपराधियों से निबटने के लिये असरदार जवाबी रणनीति बनाने की जरूरत है। जिसके अंतर्गत अपराधियों के लिये सख्त सजा का प्रावधान हो। अब यह धारणा बन रही है कि डेटा आधारित व्यवस्था में साइबर जोखिमों से बचना कठिन है। लेकिन फिर भी साइबर अपराधों से बचने के लिये सामूहिक संकल्प के साथ बड़े पैमाने पर जागरूकता, तकनीक आधारित सटीक संस्थागत मदद कारगर हो सकती है।

पंचायती राज व्यवस्था को मिली नई मजबूती, विकास कार्यों ने पकड़ी रफ्तार

विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और परियोजनाओं ने न केवल ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार किया है, बल्कि गांवों को आत्मनिर्भर और सशत बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पिछले नौ वर्षों में पंचायती राज विभाग द्वारा जनपद लखनऊ में आधारभूत संरचना के विकास पर विशेष बल दिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार के तहत 14.13 करोड़ रुपये की लागत से 58 अन्त्येष्टि स्थलों का निर्माण कराया गया। यह कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरिमामय अंतिम संस्कार व्यवस्था उपलध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा है। इन स्थलों के निर्माण से ग्रामीण जनता को सुविधा मिलने के साथ सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति भी हुई है। इसी प्रकार ग्रामीण प्रशासन को सुदृढ़ बनाने हेतु राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आर0जी0एस0ए0) के अंतर्गत 18.51 करोड़ रुपये की लागत से 106 पंचायत भवनों का निर्माण कराया गया। पंचायत भवन ग्रामीण प्रशासन की रीढ़ होते हैं, जहां ग्राम सभाएं, विकास योजनाओं की बैठकें और प्रशासनिक गतिविधियां संचालित होती हैं। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इन पंचायत भवनों ने ग्राम स्तर पर सुशासन को मजबूती दी है। स्वच्छता के क्षेत्र में भी जनपद लखनऊ ने उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं।

पंचायती राज व्यवस्था ग्रामीण विकास और स्थानीय स्वशासन की आधारशिला है। जनपद लखनऊ में पिछले 09 वर्षों के दौरान पंचायती राज विभाग ने विकास के अनेक आयामों पर उल्लेखनीय कार्य करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं, स्वच्छता, सुशासन और जनकल्याण को नई दिशा दी है। विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और परियोजनाओं ने न केवल ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार किया है, बल्कि गांवों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पिछले नौ वर्षों में पंचायती राज विभाग द्वारा जनपद लखनऊ में आधारभूत संरचना के विकास पर विशेष बल दिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार के तहत 14.13 करोड़ रुपये की लागत से 58 अन्त्येष्टि स्थलों का निर्माण कराया गया। यह कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरिमामय अंतिम संस्कार व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा है। इन स्थलों के निर्माण से ग्रामीण जनता को सुविधा मिलने के साथ सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति भी हुई है। इसी प्रकार ग्रामीण प्रशासन को सुदृढ़ बनाने हेतु राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आर0जी0एस0ए0) के अंतर्गत 18.51 करोड़ रुपये की लागत से 106 पंचायत भवनों का निर्माण कराया गया। पंचायत भवन ग्रामीण प्रशासन की रीढ़ होते हैं, जहां ग्राम सभाएं, विकास योजनाओं की बैठकें और प्रशासनिक गतिविधियां संचालित होती हैं। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इन पंचायत भवनों ने ग्राम स्तर पर सुशासन को मजबूती दी है। स्वच्छता के क्षेत्र में भी जनपद लखनऊ ने उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 31.87 करोड़ रुपये की लागत से 491 सामुदायिक शौचालयों का निर्माण कराया गया। इन शौचालयों के निर्माण से सार्वजनिक स्वच्छता व्यवस्था मजबूत हुई और विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों तथा जरूरतमंदों को सुविधा मिली। यह कार्य ग्रामीण स्वच्छता अभियान की सफलता का प्रमुख उदाहरण है। इसी क्रम में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व प्रगति हुई। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 267.05 करोड रुपये की लागत से 2.22.538 व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराया गया। यह उपलब्धि खुले में शौच मुक्त (ODF) अभियान को सफल बनाने में मील का पत्थर साबित हुई। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी, महिलाओं की गरिमा सुरक्षित हुई तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में कमी आई। ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिक सेवाओं को सुलभ बनाने हेतु आर0जी0एस0ए0 योजनान्तर्गत 3.12 करोड़ रुपये की लागत से 78 जन सेवा केन्द्रों का निर्माण कराया गया। इन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी सेवाएं, प्रमाणपत्र, आवेदन और योजनाओं से संबंधित जानकारी स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो रही है। इससे शासन की सेवाओं की पहुंच गांव तक सुनिश्चित हुई है। इन उपलब्धियों के अतिरिक्त पंचायती राज विभाग ने ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (GPDP) के माध्यम से गांवों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को गति दी। गांवों में सड़क, नाली, इंटरलॉकिंग, पंचायत भवन, पेयजल, सौर लाइट, खेल मैदान और अन्य सामुदायिक परिसंपत्तियों का विकास किया गया। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में व्यापक सुधार हुआ। पिछले 09 वर्षों में विभाग ने डिजिटल गवर्नेस को भी बढ़ावा दिया। ई-ग्राम स्वराज पोर्टल, पंचायत लेखा प्रणाली और ऑनलाइन निगरानी व्यवस्था के माध्यम से पंचायतों के कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई। पंचायत सहायकों और पंचायत सचिवालयों के माध्यम से ग्रामीण प्रशासन को अधिक प्रभावी बनाया गया।महिला सशक्तिकरण भी इस प्रगति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी बढी है और महिला ग्राम प्रधानों ने विकास कार्यों में सक्रिय योगदान दिया है। स्वयं सहायता समूहों और पंचायतों के समन्वय से ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण को बल मिला है। मनरेगा के अंतर्गत भी पंचायती राज विभाग ने उल्लेखनीय कार्य किए। तालाबों का पुनरुद्धार, चकरोड निर्माण, वृक्षारोपण, जल संरक्षण और अन्य सार्वजनिक परिसंपत्तियों का निर्माण कराया गया। अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत जल संरक्षण को बढ़ावा दिया गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरणीय संतुलन और जल संसाधनों की उपलब्धता बेहतर हुई। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन में पंचायतों की भूमिका अत्यंत प्रभावी रही। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन, राशन वितरण और अन्य योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान और सहायता में पंचायतों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वित्तीय प्रबंधन और पारदर्शिता के क्षेत्र में भी विभाग ने सराहनीय प्रगति की है। केंद्रीय और राज्य वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि का उपयोग विकास कार्यों में प्रभावी ढंग से किया गया। ऑनलाइन भुगतान प्रणाली और सामाजिक अंकेक्षण के माध्यम से वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित किया गया। यदि पिछले 09 वर्षों की उपलब्धियों को समग्र रूप में देखा जाए तो पंचायती राज विभाग द्वारा केवल योजनाओं का क्रियान्वयन ही नहीं किया गया, बल्कि ग्रामीण जीवन में व्यापक परिवर्तन लाने का कार्य हुआ है। 58 अन्त्येष्टि स्थल, 106 पंचायत भवन, 491 सामुदायिक शौचालय, 2.22 लाख से अधिक व्यक्तिगत शौचालय और 78 जन सेवा केंद्र जैसी उपलब्धियां इस प्रगति को मूर्त रूप देती हैं। यह केवल आंकड़े नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास की बदलती तस्वीर के प्रतीक हैं। इन उपलब्धियों ने लखनऊ के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, सुशासन, सम्मानजनक जीवन, प्रशासनिक पहुंच और सामाजिक विकास को नई ऊंचाई दी है। पंचायती राज विभाग की यह प्रगति 'सशक्त पंचायत, समृद्ध गांव की अवधारणा को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। निश्चित रूप से पिछले 09 वर्षों में जनपद लखनऊ में पंचायती राज विभाग की प्रगति उल्लेखनीय, बहुआयामी और प्रेरणादायी रही है। आने वाले समय में डिजिटल पंचायत, स्मार्ट ग्राम और आत्मनिर्भर गांव की अवधारणा के साथ यह प्रगति और नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी।

(आदर अदीब पावेल बन्धु)
जिला सूचना अधिकारी

डेस्क जॉब वालों के लिए रामबाण है डोलासन

आज की भागदौड़भरी जिंदगी में अनियमित आहार और एक ही जगह देर तक बैठकर काम करने से शरीर रोगों का शिकार हो रहा है। हालांकि, बीच-बीच में समय निकालकर योग करने से फिर से तरोताजा महसूस होने लगता है। इन्हीं, डोलासन एक ऐसी योग मुद्रा है, जो शरीर की मांसपेशियों को मजबूती देने में मदद करता है। यह एक हठ योग मुद्रा है, जो दो शब्दों से मिलकर बना है। 'डोल' = झूलना' आसन' = योग मुद्रा। इसके नियमित अभ्यास से थकान, सिरदर्द और तनाव से राहत मिलती है। इस आसन को करने के दौरान शरीर के ऊपरी हिस्से को पेंडुलम की तरह आगे-पीछे झुलाया जाता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इसके महत्ता पर जोर दिया है। उनके अनुसार, डोलासन (पेंडुलम या झूलने की मुद्रा) एक गतिशील योगासन है, जो लचीलापन, रीढ़ की मजबूती और संतुलन बढ़ाता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से पेट और कोर की मांसपेशियों को मजबूत करता है पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव देकर दर्द कम करता है। हैमस्ट्रिंग यानी जांघ के पीछे की नसों को टोन करता है। साथ ही, रीढ़ की नसों को एक्टिव करके रीढ़ को लचीला बनाता है। इसे करना बेहद आसान है। सबसे पहले दोनों पैरों को थोड़ा चौड़ा करके सीधे खड़े हो जाएं। गहरी सांस लेते हुए दोनों हाथों को आपस में इंटरलॉक करें और सिर के पीछे रखें। सांस छोड़ते हुए अपने धड़ (अपर एब्डोमेन) को पेंडुलम की तरह दाएं से बाएं और बाएं से दाएं झुलाएं। इस दौरान शरीर का ऊपरी हिस्सा घड़ी के पेंडुलम की भांति गति करता है। रोजाना 1-2 मिनट करने से शरीर में हल्कापन और ऊर्जा महसूस होती है। शुरु में इस आसन को करने में साधक को दिक्कत हो सकती है, लेकिन जैसे-जैसे वे इस आसन को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएंगे। धीरे-धीरे आदत हिस्सा बन जाएगी। हालांकि, सिर्फ योगासन करने के साथ-साथ साधक को संतुलित आहार का सेवन भी करना चाहिए, तभी किसी आसन को करने का फायदा है। उच्च रक्तचाप के रोगी इसे न करें।हर्निया या गंभीर कमर दर्द की स्थिति में डॉक्टर की सलाह लें।

समाज को कहां ले जाएगी असभ्यता को सही साबित करने की कोशिश

गाली इन दिनों राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। जंतर-मंतर पर प्रधानमंत्री मोदी को लेकर दी खुलेआम गंदी गालियां इसका बहाना बनीं हैं। हैरत की बात है कि इसमें कई प्रोफेसर और पत्रकार भी शामिल हो गए हैं और इन गालियों को उचित ठहराने की दौड़ का हिस्सा बन गए हैं। इसे लड़कियों की क्रांतिकारी अभिव्यक्ति बताया जा रहा है तो कई गालीबाजों को नई गालियां रचने का सुझाव दे रहा है। उनके हिसाब से सारी गालियां पुरूषों द्वारा रची गई हैं, लिहाजा लड़कियों को नई तरह की गाली पुराण रचना चाहिए। इसके खिलाफ का समाज का एक बड़ा तबका इस नई प्रवृत्ति की मुखालफत कर रहा है। उसका कहना है कि गालियां भले हीं समाज में सदा से चली आ रही हैं, लेकिन कम से कम उनकी सार्वजनिक स्वीकृति नहीं रही है। गालियों के समर्थकों में सबसे बड़ी संख्या खुद को क्रांतिकारी मानने वाले वामपंथी हैं। प्रगतिशील लेखक संघ भारत में वामपंथी विचारधारा के लिहाज से गठित हुआ था। उसके पहले अध्यक्ष उपन्यास सम्राट प्रेमचंद थे। गाली विमर्श के संदर्भ में प्रेमचंद का लिखे एक लेख का अंश याद आ रहा है। उन्होंने लिखा है, ''हर जाति का बोलचाल का ढ़ंग उसकी नैतिक स्थिति का पता देता है। अगर इस दृष्टि से देखा जाए तो हिन्दुस्तान सारी दुनिया की तमाम जातियों में सबसे नीचे नजर आएगा। बोलचाल की गंभीरता और सुथरापन जाति की महानता और उसकी नैतिक पवित्रता को व्यक्त करती है और बदजवानी नैतिक अंधकार और जाति के पतन का पक्का प्रमाण है। जितने गन्दे शब्द हमारी जबान से निकलते हैं शायद ही किसी सभ्य जाति की ज़बान से निकलते हों।''इसमें दो राय नहीं कि हर सफल आंदोलन के बाद आंदोलनकारी नायक और विजेता के रूप में उभरते हैं। इस लिहाज से काकरोच जनता पार्टी के नेता जंतर-मंतर आंदोलन के फिलहाल के विजेता तो हैं हीं। इस तर्क से उनका साथ देने वाला वाला समूह भी उसी वर्ग का माना जाएगा। इतिहास हमेशा विजेताओं का ही गुणगान करता है, उसकी सफलता की बलैया लेता है। चूंकि काकरोच जनता पार्टी के नेता चूंकि हीरो हैं, इसलिए उनकी ओर से दी गई गालियों को उनके गुणों के रूप में देखने की कोशिश हो रही है। तर्क दिया जा रहा है कि भारतीय समाज में शादी-ब्याह और मुंडन-जनेऊ के मौके पर प्यार से गालियां दी जातीं हैं। लिहाजा से जंतर-मंतर की गालियां भी उन्हीं गालियों की तरह स्नेह की अभिव्यक्ति हैं। लेकिन क्या सचमुच ऐसा ही है ? गंभीरता से विचार करेंगे तो इसका जवाब ना में मिलता है। इस अश्लील अभिव्यक्ति का मकसद देश के संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए हिकारत और घृणा का प्रदर्शन है। मोदी देश के वामपंथी और कांग्रेसी इकोसिस्टम एवं संस्कृति और परंपराभंजकों के निशाने पर तब से हैं, जब आज के जेन जी के अधिसंख्य जन्मे भी नहीं होंगे। अतीत में मोदी के खिलाफ कठोर शब्दों का इस्तेमाल जरूर होता था, लेकिन उनमें गालियां नहीं थीं। जंतर-मंतर का हालिया आंदोलन इसी बुनियाद पर आगे की कड़ी है।बचाव में उतरे वामपंथियों का तर्क है कि ये गालियां नई नहीं हैं। कई तो खुद का उदाहरण देते हुए कहने से नहीं चूक रहे कि वे भी गाली देते हैं या फिर उनके दोस्तों के बीच गालियों का खूब आदान-प्रदान होता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वे ऐसी ही गालियां अपने ही बच्चों के मुख से अपने ही घरों में सुनना पसंद करेंगे। सवाल यह भी है कि क्या इन गालीबाजों को भविष्य में वे अपने परिवार का दामाद या बहू के रूप हिस्सा बनाना पसंद करेंगे। सवाल यह भी है कि क्या वे अपने ही बच्चों से स्नेह के तौर पर अपने ही माता-पिता को ऐसी गालियां दिलाना स्वीकार करेंगे। निश्चित तौर पर इन सवालों का जवाब ना में है। हर समाज में गालियां किसी न किसी रूप में रही हैं। लेकिन वे कभी सार्वजनिक स्वीकार्यता और विमर्श का विषय नहीं रही हैं। गालियां संस्कार से जुड़ी हैं। भाषाशास्त्री शब्द शक्ति की बात करते हैं। शब्द शक्ति में श्लील और अश्लील को लेकर भाषा शास्त्री स्पष्ट विभाजन स्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि श्लील ही सार्वजनिक चर्चा और अभिव्यक्ति का माध्यम होता है। आधुनिक साहित्य में गालियों का प्रयोग वामपंथी विचारधारा के बढ़ते असर के साथ बढ़ा। लेकिन प्रेमचंद के किसी कहानी या उपन्यास में कहीं गाली या अश्लील शब्द का प्रयोग नहीं मिलता। सच तो यह है कि गालियां कभी यथार्थ नहीं होती। हिंदी साहित्य में यथार्थवाद की अभिव्यक्ति के लिए गालियों के प्रयोग की शुरूआत हुई। लेकिन आधुनिक यथार्थवादी चिंतन से पहले के साहित्य में कभी गालियों का प्रयोग नहीं होता दिखता। तर्क दिया जा रहा है कि जेन जी की यही भाषा है। वह ऐसे ही खुद को अभिव्यक्त करता है। ऐसे में एक सवाल यह भी उठता है कि क्या वह परीक्षा में भी वह गालियों को अपनी जवाब में शामिल करता है ?और क्या वह स्वीकार्य होगा? उनके समर्थन में उतरे दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यापक कक्षाओं में गालियों के धाराप्रवाह प्रयोग को स्वीकार करेंगे। सवाल यह भी है कि जो पत्रकार इसका समर्थन कर रहे हैं, क्या वे अपने अखबारों और अपने स्टूडियो में उन गालियों के इस्तेमाल को तैयार होंगे? निश्चित तौर पर इन सभी सवालों का जवाब ना में है। फिर यह सवाल क्यों ना उठे कि गालियों का महिमा मंडन क्यों?

मेष राशि-मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन उत्साह और आत्मविश्वास से भरा रहेगा। सामाजिक गतिविधियों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी और लोगों के बीच आपकी प्रतिष्ठा मजबूत होगी। लंबे समय से रुके किसी कार्य में सकारात्मक प्रगति देखने को मिल सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने के संकेत हैं, जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी।

वृषभ राशि-वृषभ राशि के लिए आज का दिन लाभदायक रहने के संकेत दे रहा है। आर्थिक मामलों में सुधार के योग बन रहे हैं और किसी महत्वपूर्ण कार्य में अपेक्षित सफलता मिल सकती है। भाई-बहनों के साथ संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

मिथुन राशि-मिथुन राशि के जातकों को आज अपने कार्यों में पूरी एकाग्रता बनाए रखने की आवश्यकता होगी। नौकरी और व्यवसाय दोनों क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे। व्यापार विस्तार की दिशा में उठाया गया कदम भविष्य के लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

कर्क राशि-कर्क राशि के लोगों के लिए आज का दिन नई उम्मीदों और नई योजनाओं के साथ आगे बढ़ने का रहेगा। करियर में आगे बढ़ने के लिए आप नए विचारों पर काम करेंगे। पारिवारिक विवाद या घरेलू समस्याओं का समाधान शांतिपूर्ण ढंग से निकल सकता है।

सिंह राशि-सिंह राशि के जातकों के लिए आज उपलब्धियों से भरा दिन रह सकता है। व्यापार में नई संभावनाएं बनेंगी और लंबे समय से चल रही किसी महत्वपूर्ण बातचीत का सकारात्मक परिणाम सामने आ सकता है। संपत्ति से जुड़े मामलों में प्रगति होगी।

कन्या राशि-कन्या राशि के लिए सावन का पहला दिन विशेष रूप से शुभ संकेत लेकर आया है। आज आपकी समझदारी और संतुलित निर्णय क्षमता आपको सफलता दिलाएगी। परिवार के बड़े सदस्यों का सहयोग और आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा।

तुला राशि-तुला राशि के जातकों के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का आप धैर्य और बुद्धिमानी से सामना करेंगे। यदि कोई कानूनी मामला चल रहा है तो उसमें सकारात्मक प्रगति देखने को मिल सकती है।

वृश्चिक राशि-वृश्चिक राशि के लोगों के लिए आज का दिन आत्ममंथन और सुधार का रहेगा। वरिष्ठ अधिकारियों के सुझावों को गंभीरता से लेने से भविष्य में लाभ मिलेगा। व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए बनाई गई नई आर्थिक योजनाएं सफल हो सकती हैं।

धनु राशि-धनु राशि के जातकों के लिए आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन किसी भी बड़े निर्णय में जल्दबाजी से बचना आवश्यक होगा। भूमि या संपत्ति से जुड़े मामलों में समाधान निकल सकता है। आर्थिक स्थिति स्थिर बनी रहेगी, लेकिन निजी योजनाओं और व्यक्तिगत बातों को अनावश्यक रूप से दूसरों के साथ साझा करने से बचें।

मकर राशि-मकर राशि वालों के लिए आज कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। अतिरिक्त कार्यभार के बावजूद आपके प्रयासों की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य से संतुष्ट रहेंगे। आर्थिक मामलों में लापरवाही भविष्य में परेशानी का कारण बन सकती है, इसलिए खर्च और निवेश सोच-समझकर करें।

कुम्भ राशि-कुम्भ राशि के जातकों के लिए आज का दिन नए अवसर लेकर आ सकता है। व्यापार में विस्तार की योजना पर काम शुरू कर सकते हैं। संचार माध्यमों या सामाजिक मंचों से जुड़े लोगों की प्रभावशाली व्यक्तियों से मुलाकात हो सकती है, जिससे भविष्य में लाभ मिलेगा।

मीन राशि-मीन राशि के लिए सावन का पहला दिन अत्यंत शुभ रहने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में अपनी कार्यशैली को बेहतर बनाने के प्रयास सफल होंगे। परिवार का सहयोग और सम्मान मिलेगा। यदि किसी को उधार धन दिया था तो उसके वापस मिलने के संकेत हैं। व्यापार में बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है और नए कार्य की शुरुआत के लिए भी समय अनुकूल रहेगा। परिवार में छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज करके आप संबंधों को मजबूत बनाए रखेंगे।

छोटी-छोटी आदतें दिलाएंगी पेशेवर कामयाबी

अधिकांश सफल लोगों की तरक्की की यात्रा पर अगर नजर डालें तो एक बात समान दिखायी देती है कि उन्होंने अपनी रोजमर्रा की छोटी-छोटी आदतों को बेहतर बनाया होता है। यही आदतें समय के साथ उनके व्यक्तित्व, कार्यशैली और पेशेवर पहचान का बड़ा हिस्सा बन जाती हैं। आज कार्यस्थल तेजी से बदल रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नई तकनीकों और बदलती कार्य-संस्कृति के दौर में केवल डिग्री या अनुभव प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है। कंपनियां ऐसे कर्मचारियों को अधिक महत्व दे रही हैं, जो लगातार सीखते हैं, समय का सम्मान करते हैं, जिम्मेदारी निभाते हैं और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ काम करते हैं। इन गुणों को अपनाने के लिए जीवन में कोई आमूल-चूल परिवर्तन करने की जरूरत नहीं होती। रोजाना अपनायी गई कुछ माइक्रो हैबिट्स हमारे कैरियर को एक नई दिशा दे सकती हैं। सीखना सिर्फ पढ़ाई के दौरान तक की प्रक्रिया नहीं होती। लगातार बेहतर होने और बने रहने के लिए पूरी उम्र सीखना होता है। इसलिए हर दिन कुछ नया सीखें। कैरियर काउंसलरों के मुताबिक अगर हम हर दिन केवल 20 मिनट कुछ नया सीखते हैं, तो एक साल में हमारे पास नया कुछ सीखने के सैकड़ों घंटे हो जाते हैं और यह आदत हमें बिना हमारे नोटिस लिए भी हमें बहुत कुछ नया सिखा देती है, जो कि हमारे कैरियर की तरक्की में बड़ी भूमिका निभाता है।अगर दुनिया के सौ सफल उद्यमियों की आत्मकथा पढ़ेंगे तो उनमें से कम से कम 90 को कहते पाएंगे कि वह हर दिन सुबह उठकर उस दिन की अपनी प्राथमिकता तय करते हैं। कैरियर काउंसलरों के मुताबिक, कई रिसर्च से साबित हो चुका है कि अगर हम दिन की सुबह अपनी प्राथमिकता तय कर लें तो फोकस में रहते हैं और फोकस में रहना कैरियर में सफलता की बड़ी आदत है।याद रखिए कैरियर केवल तकनीकी दक्षता से नहीं बनता बल्कि अच्छे संबंधों की भी इसमें बड़ी भूमिका होती है। हर दिन किसी ऐसे व्यक्ति से उपयोगी संवाद करिए जिसके बारे में आप आश्वस्त हों कि वह कुछ आपको सीखने लायक बता सकता है। यह आपका वरिष्ठ सहकर्मी हो सकता है, कोई दोस्त हो सकता है, कोई जानकार हो सकता है, सार्थक बातचीत में अनेक समस्याओं के समाधान छिपे होते हैं।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

हिन्दू रक्षा दल में एक्स मुस्लिम जोया शेख, सनातनी राशि कुशवाहा की नियुक्ति

कानपुर। हिन्दू रक्षा दल कानपुर नगर की आयोजित बैठक में संगठन विस्तार के तहत राशि कुशवाहा को वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष, कानपुर नगर के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। संगठन के जिला अध्यक्ष नीरज निश्चल श्रीवास्तव ने नियुक्ति की घोषणा करते हुए कहा कि संगठन को विश्वास है कि राशि कुशवाहा समाज सेवा, जनहित एवं संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए संगठन को और अधिक मजबूत करने का कार्य करेंगी। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष आलोक भदौरिया सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने नवनियुक्त वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। राशि कुशवाहा ने संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी तथा संगठन की नीतियों के अनुरूप समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय योगदान देंगी। दरअसल राशि कुशवाहा पूर्व में मुस्लिम धर्म की थीं और उनका नाम जोया शेख़ था बाद में वो हिन्दू धर्म से प्रभावित हुईं और उन्होंने हिंदू धर्म अपना लिया और अब उन्होंने अपना नाम राशि कुशवाहा रखा है। सभी सनातनी हिंदू धर्म के लोगों ने राशि कुशवाहा को बधाई दी है।

विधायक ने मठ मंदिरों के महन्त और संतों का किया सम्मान

कोंच(जालौन): गुरु-शिष्य के बीच परस्पर प्रेम, स्नेह और सम्मान से परिपूर्ण दिवस गुरु पूर्णिमा के मौके पर बुधवार की शाम क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने मठ मंदिरों में जाकर संत, महंत और पुजारियों का अंगवस्त्र ओढ़ाकर और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। देवगांव स्थित बद्रीदास आश्रम में प्रतिष्ठापित परमहंस बद्रीदास महाराज के भी दर्शन कर विधायक ने पुण्य लाभ प्राप्त किया। विधायक ने नगर के प्राचीन और प्रसिद्ध मां सिंहवाहिनी, श्रीरामलला, बड़ी माता, दोहर व गुदरिया हनुमान मंदिर के महंत, पुजारियों का माल्यार्पण किया और उन्हें अंगवस्त्र एवं श्रीफल भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। विधायक ने कहा कि गुरुजनों सहित संत महात्माओं का स्नेह और आशीर्वाद किसी भी व्यक्ति का जीवन सुधार सकता है। गुरु पूर्णिमा का दिन बेहद महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि गुरुजनों सहित संत महात्मा ही सही राह दिखाते हैं। इस दौरान विधायक के साथ नामित सभासद अरविंद निरंजन बसोव, विपिन पटेल, राजेंद्र दुबे, गौरी चबोर, सभासद अनिल वर्मा, विनोद सोनी, नरेश कुशवाहा, धर्मेंद्र राठौर, शिवसिंह कुशवाहा, मनीष नगरिया, सौरभ पुरवार, रामलला धनौरा, अबधेश पटेल, अनिल अग्रवाल, ध्यानसिंह, अनिल कपूर, प्रदीप धनौरा आदि मौजूद रहे।

सड़क किनारे खड़े वाहनों पर हुई कार्यवाही

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा व चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, ट्रायंगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 334 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन व वाहन चालकों से अपील की जाती है कि यातायात नियमों का पालन करें।

खाद किल्लत से परेशान किसानों ने दी धरना प्रदर्शन की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ क्योलडिया के साधन सहकारी समिति में खाद वितरण के दौरान चल रही भारी धांधली और भ्रष्टाचार को लेकर स्थानीय किसानों में गहरा आक्रोश है। किसानों ने खंड विकास अधिकारी (BDO), विकास खंड भदपुरा को एक लिखित शिकायत पत्र सौंपकर समिति के सचिव और स्टाफ पर गंभीर आरोप लगाए हैं। किसानों का कहना है कि वे यूरिया खाद लेने के लिए सुबह से ही लंबी लाइनों में लग जाते हैं। शिकायत के अनुसार, बीते दिनों दोपहर करीब 12 बजे जब खाद का वितरण शुरू हुआ, तो लाइन लगवाने के बाद अचानक वितरण प्रक्रिया में मनमानी शुरू कर दी गई। किसानों का आरोप है कि समिति के सचिव और स्टाफ प्रति बोरी खाद पर ?100 की अवैध वसूली (रिश्वत) कर रहे हैं। जो किसान यह अतिरिक्त रकम देने से मना करता है, उसे खाद देने से साफ इंकार कर दिया जाता है।इसके अलावा, किसानों ने यह भी शिकायत की है कि समिति परिसर में स्टॉक लिस्ट या रेट लिस्ट नहीं लगाई गई है, जिससे पारदर्शित पूरी तरह गायब है। अधिकारी अपनी मनमानी चलाते हुए प्रति कट्टा 270 वसूल रहे हैं। दूर-दूर से आए किसान दिनभर कड़कती धूप और अव्यवस्था के बीच भूखे-प्यासे बैठे रहते हैं, और शाम को खाद न मिलने के कारण निराश होकर वापस लौटने को मजबूर हैं।समय पर यूरिया खाद न मिलने की वजह से किसानों की गन्ना और धान की फसलें खराब होने की कगार पर पहुंच गई हैं। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लगाई गई और उन्हें निष्पक्ष रूप से खाद उपलब्ध नहीं कराई गई, तो वे विकास खंड मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने के लिए मजबूर होंगे। इस दौरान मदन लाल, प्रपेन्द्र कुमार, बाबूराम, ओमपाल, सोमपाल और राज कुमार सहित क्षेत्र के दर्जनों किसान मौजूद थे।

31 जुलाई को शिकोहाबाद आईटीआई में लगेगा शिक्षुता एवं रोजगार मेला

फिरोजाबाद। प्रधानाचार्य एवं जिला समन्वयक, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि शिक्षुता प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, स्वामी नगर, स्टेशन रोड, शिकोहाबाद में 31 जुलाई 2026 को प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक शिक्षुता मेला (अप्रेन्टिसशिप) एवं रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में प्रदेश की प्रतिष्ठित अधिष्ठान सामाजिक संस्था अगम सेवा फाउंडेशन के सहयोग से रिलायंस, सेक्टर-62, नोएडा द्वारा आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया जाएगा। इस अवसर पर योग्य अभ्यर्थियों को प्रतिष्ठित संस्थान में शिक्षुता प्रशिक्षण एवं रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। प्रधानाचार्य ने बताया कि मेले में भाग लेने वाले सभी अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक एवं तकनीकी योग्यता से संबंधित मूल प्रमाण-पत्र, उनकी छायाप्रतियां तथा बायोडाटा (रिज्यूमे) अपने साथ अवश्य लेकर आएं, ताकि चयन प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने जनपद एवं आसपास के क्षेत्रों के सभी आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में रोजगार मेले में प्रतिभाग कर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं। यह मेला युवाओं को कौशल आधारित रोजगार एवं शिक्षुता प्रशिक्षण से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

गांव में घुसा तेंदुआ

युवक ने मोबाइल से कैद की तस्वीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/क्योलड़िया। क्षेत्र के कुंअरपुर तुलसी पट्टी गांव में बुधवार रात तेंदुआ घुस आने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। रात के समय गांव निवासी अर्जुन अपने घर की छत पर थे। तभी उनकी नजर घर के पास घूम रहे तेंदुए पर पड़ी। डर के बावजूद उन्होंने हिम्मत दिखाते हुए मोबाइल से तेंदुए की तस्वीर खींच ली। देखते ही देखते फोटो पूरे गांव में चर्चा का विषय बन गई और ग्रामीणों में भय का माहौल हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि यह पहली बार नहीं है। इससे पहले भी आसपास के खेतों और गांव के पास कई लोगों ने तेंदुए को देखने का दावा किया था। लगातार तेंदुए की मौजूदगी से लोग शाम ढलते ही घरों में रहने को मजबूर हैं। किसान खेतों में अकेले जाने से बच रहे हैं और बच्चों को भी बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वन दरोगा अकबर अली और कड़े राम ने टीम के साथ गांव के आसपास खेतों में तेंदुए के पगचिह्नों की तलाश की। टीम को कई स्थानों पर संदिग्ध पगचिह्न मिले, जिनकी जांच की जा रही है। वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने, रात में अकेले बाहर न निकलने तथा तेंदुआ दिखाई देने पर तत्काल सूचना देने की सलाह दी है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि तेंदुए को जल्द पकड़कर सुरक्षित स्थान पर भेजा जाए, ताकि गांव में फैली दहशत समाप्त हो सके।

पशु चराकर लौट रहे व्यक्ति पर हमला, घायल

बरेली/ क्यों लड़िया थाना क्षेत्र के ग्राम बैवाही के रहने वाले भगवान दास पुत्र तुलसी राम करीब 4:15 बजे अपनी भैंसों को चराकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार चार अज्ञात युवक, जो अत्यधिक शराब के नशे में थे, सड़क पर लापरवाही से गाड़ी चला रहे थे। टोकने पर मारपीट और धमकी देने लगे। जब वे विपक्षी के पास पहुँचे, तो उन्होंने युवकों से कहा कि उनकी गाड़ी से टक्कर लग सकती थी। इतनी सी बात पर बाइक सवार युवक आग बबूला हो गए। उन्होंने भगवान दास पर ईट-पत्थरों से हमला कर दिया और उन्हें बुरी तरह पीटा। गंभीर चोटें और पुलिस में शिकायतइस हमले में भगवान दास के सिर पर गंभीर खुली चोट आई है, उनके 4 दांत हिल गए हैं और शरीर पर कई जगह अंदरूनी चोटें लगी हैं। मारपीट के बाद आरोपी पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने क्योलड़िया थाने पहुँचकर पुलिस को लिखित शिकायत पत्र सौंपा है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मुआवजा दिए बिना सर्विस रोड निर्माण का आरोप

प्रभावित भू-स्वामियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला। तहसील टूण्डला क्षेत्र के ग्राम मोहम्मदाबाद स्थित गाटा संख्या 315 के प्रभावित भू-स्वामियों ने National Highways Authority of India (एनएचएआई) पर बिना विधिसम्मत मुआवजा दिए निजी भूमि पर सर्विस रोड का निर्माण कराए जाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में प्रभावित भू-स्वामियों ने उपजिलाधिकारी टूण्डला दिव्या सिंह को ज्ञापन सौंपकर निर्माण कार्य तत्काल रुकवाने तथा नियमानुसार मुआवजा दिलाने की मांग की। भू-स्वामियों का कहना है कि उनकी भूमि से संबंधित मुआवजे का मामला माननीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रथम), फिरोजाबाद के न्यायालय में विचाराधीन है तथा एनएचएआई के विरुद्ध एक्स-पार्टी आदेश भी पारित हो चुका है। इसके बावजूद प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में उनकी भूमि पर सर्विस रोड का निर्माण कराया जा रहा है, जो न्यायिक प्रक्रिया और उनके वैधानिक अधिकारों के विपरीत है। ज्ञापन में प्रभावित भू-स्वामियों ने मांग की है कि न्यायालय के अंतिम निर्णय एवं विधिक प्रक्रिया पूरी होने तक निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही, सार्वजनिक उपयोग के लिए भूमि का प्रयोग किए जाने से पूर्व उन्हें नियमानुसार पूर्ण मुआवजा एवं अन्य देय लाभ उपलब्ध कराए जाएं। ज्ञापन सौंपने वालों में अल्का देवी, कृष्णा देवी, उषा पाल, भारत सिंह पोनियां, आशुतोष सिंह सहित अन्य प्रभावित भू-स्वामी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा मार्ग पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत करना शुरू कर दिया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यात्रा मार्गों पर अत्याधुनिक आईपी (ढ्ढक्क) आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से पूरे मार्ग की चौबीसों घंटे निगरानी की जाएगी। इन कैमरों की सहायता से पुलिस प्रत्येक गतिविधि पर पैनी नजर रखेगी और किसी भी आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा टूण्डला चौराहा, एटा रोड, स्टेशन रोड, आगरा रोड तथा फिरोजाबाद रोड सहित प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। इन स्थानों पर लगाए जा रहे सीसीटीवी कैमरे यातायात संचालन, भीड़ नियंत्रण, कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय घटना की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके साथ ही पुलिस बल की नियमित गश्त एवं संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी भी सुनिश्चित की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक टूण्डला बैजनाथ सिंह ने बताया कि कांवड़ यात्रा मार्गों पर कुल 28 उत्तम श्रेणी के आईपी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इन कैमरों के माध्यम से पूरे यात्रा मार्ग की प्रभावी निगरानी की जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद है तथा सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जा रही हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से भी अपील की कि यात्रा के दौरान यातायात नियमों का पालन करें, प्रशासन के निर्देशों का सहयोग करें तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि कांवड़ यात्रा सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। पुलिस प्रशासन का लक्ष्य है कि श्रद्धालुओं को बिना किसी असुविधा के सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए और यात्रा पूरी तरह व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो।

उर्वरक विक्रेताओं पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

5 दुकानों को नोटिस और 3 लाइसेंस तत्काल निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में जनपद में उर्वरकों की उपलब्धता, गुणवत्ता एवं वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने के उद्देश्य से जिला कृषि अधिकारी सुमित कुमार चौहान ने तहसील सिरसागंज क्षेत्र में उर्वरक विक्रेताओं की दुकानों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई दुकानों पर गंभीर अनियमितताएं मिलने पर पांच विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, जबकि तीन उर्वरक लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए। निरीक्षण के दौरान उर्वरकों की गुणवत्ता की जांच के लिए प्रताप खाद भंडार, काठफोरी तथा श्री राधा कृष्ण खाद एवं बीज भंडार, सिरसागंज से दो उर्वरक नमूने संग्रहित किए गए। वहीं रेट बोर्ड एवं स्टॉक बोर्ड प्रदर्शित न करने, स्टॉक एवं विक्रय पंजिका अद्यतन न रखने तथा अभिलेखों में अनियमितता पाए जाने पर कृषक सेवा केंद्र काठफोरी, प्रशांत ट्रेडर्स सराय मुरलीधर, राधा कृष्णा बीज एवं खाद भंडार सिरसागंज, करिश्मा खाद भंडार सिरसागंज तथा आर.एस. खाद भंडार काठफोरी को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि प्रताप खाद भंडार काठफोरी द्वारा बिना पीओएस (POS) मशीन के उर्वरक बिक्री किए जाने तथा प्रबल खाद भंडार सिरसागंज में स्टॉक दूसरी दुकान में रखने एवं स्टॉक-विक्रय पंजिका उपलब्ध न होने के कारण दोनों दुकानों के उर्वरक लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए। इसके अलावा बघेल खाद बीज भंडार, काठफोरी द्वारा जांच टीम को देखकर दुकान बंद कर देने एवं निरीक्षण में सहयोग न करने के कारण उसका लाइसेंस भी अग्रिम आदेशों तक निलंबित कर दिया गया। निरीक्षण के दौरान सभी उर्वरक विक्रेताओं को किसानों को यूरिया एवं डीएपी के वैकल्पिक उर्वरकों की जानकारी देने, रेट बोर्ड एवं स्टॉक बोर्ड प्रदर्शित रखने, स्टॉक एवं विक्रय पंजिका नियमित रूप से अद्यतन रखने तथा किसानों की जोत एवं अनुशंसित मात्रा के अनुसार ही उर्वरकों का वितरण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी विक्रेताओं को शत-प्रतिशत बिक्री पीओएस मशीन के माध्यम से करने तथा किसी भी प्रकार की टैगिंग या निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने से सख्ती से मना किया गया। जिला कृषि अधिकारी सुमित कुमार चौहान ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि किसी भी विक्रेता द्वारा कालाबाजारी, जमाखोरी, ओवररेटिंग, टैगिंग अथवा बिना अभिलेख उर्वरक बिक्री जैसी अनियमितता पाई गई तो उसके विरुद्ध उर्वरक (नियंत्रण) आदेश-1985, आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक कानूनों के तहत कठोर वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा उर्वरक एवं बीज विक्रेताओं की सतत निगरानी की जा रही है तथा भविष्य में भी औचक निरीक्षण जारी रहेंगे। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि वर्तमान समय में जनपद में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। जनपद में यूरिया 17,685 मीट्रिक टन, डीएपी 6,886 मीट्रिक टन, एनपीके 3,421 मीट्रिक टन, एमओपी 5,361 मीट्रिक टन तथा एसएसपी 1,951 मीट्रिक टन उपलब्ध है। इसके

अतिरिक्त शिकोहाबाद रैक प्वाइंट पर एचयूआरएल कंपनी की यूरिया की नई खेप प्राप्त हुई है, जिसकी आपूर्ति समितियों एवं निजी विक्रेताओं को कराई जा चुकी है।

उन्होंने जनपद के किसानों से अपील की कि खरीफ फसलों की वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरक खरीदें और अनावश्यक भंडारण न करें। उर्वरक खरीदते समय विक्रेता से रसीद अवश्य प्राप्त करें। यदि खरीफ सीजन में उर्वरक उपलब्धता से संबंधित किसी प्रकार की समस्या आती है तो किसान जिला कृषि अधिकारी कार्यालय के कंट्रोल रूम नंबर 9084557126 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

मत्स्य विभाग की योजनाओं के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मत्स्य विभाग ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मत्स्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न राज्य सेक्टर की योजनाओं में आवेदन करने वाले इच्छुक अभ्यर्थियों को राहत देते हुए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 5 अगस्त 2026 कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम स्थापना योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत मछली विक्रय हेतु मोपेड विद आइस बॉक्स परियोजना, उत्तर प्रदेश मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना सहित विभिन्न योजनाओं के लिए इच्छुक व्यक्ति अब 5 अगस्त 2026 तक विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रत्येक योजना हेतु अलग-अलग आवेदन करना अनिवार्य होगा। आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक अभिलेखों एवं योजनाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी विभागीय पोर्टल http://fisheries.up.gov.inपर उपलब्ध है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में योजनाओं के प्रावधानों में कोई संशोधन किया जाता है, तो संशोधित नियम ही प्रभावी होंगे। साथ ही जिन आवेदकों के आवेदन पूर्व वर्षों में निरस्त हो गए थे अथवा प्रतीक्षारत हैं, वे भी पुनः आवेदन कर सकते हैं। मत्स्य विभाग ने इच्छुक लाभार्थियों से समय रहते ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है। योजनाओं से संबंधित किसी भी प्रकार की विस्तृत जानकारी सहायक निदेशक मत्स्य कार्यालय, कक्ष संख्या-108, प्रथम तल, विकास भवन, दबरई, फिरोजाबाद में किसी भी कार्य दिवस पर प्राप्त की जा सकती है।

धूमधाम से मनाया प्रेस क्लब संरक्षक हेमन्त उपाध्याय का जन्मदिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- टूण्डला प्रेस क्लब व प्रेस क्लब टूण्डला के संरक्षक हेमंत उपाध्याय का जन्मदिवस गुरुवार को क्लब के पत्रकारों ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर केक काटकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों ने कहा कि हेमंत उपाध्याय का पत्रकारिता जगत एवं सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके मार्गदर्शन से प्रेस क्लब लगातार संगठन को मजबूत करने और पत्रकार हितों के लिए कार्य कर रहा है। प्रेस क्लब के संरक्षक पुनीत रावत ने कहा कि हेमंत उपाध्याय का लंबा पत्रकारिता का अनुभव रहा है, उनके अनुभव का प्रेस क्लब को लाभ मिल रहा है,उनके अनुभव से प्रेस क्लब नई ऊंचाइयों को छूएगा,हम उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हैं। संरक्षक राजू उपाध्याय ने कहा कि हेमंत उपाध्याय का अनुभव और मार्गदर्शन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना करते हैं। प्रेस क्लब अध्यक्ष राधेश्याम चौहान ने कहा कि हेमंत उपाध्याय ने सदैव पत्रकारों को एकजुट रखने और संगठन को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया है। उनका स्नेह और सहयोग हमेशा मिलता रहा है। प्रेस क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोमेंद्र पोनियां ने कहा कि हेमंत उपाध्याय का सरल स्वभाव पत्रकारों के प्रति समर्पण और संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अनुकरणीय है। उनका मार्गदर्शन आगे भी इसी प्रकार मिलता रहे, यही हमारी शुभकामना है। प्रेस क्लब के सचिव अरुण रावत ने कहा कि हेमंत उपाध्याय का जन्मदिवस हम सभी के लिए खुशी का अवसर है। ईश्वर से उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की प्रार्थना करते हैं। इस अवसर पर प्रेस क्लब के पदाधिकारियों एवं पत्रकारों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में संरक्षक राजू उपाध्याय,पुनीत रावत, अध्यक्ष राधेश्याम चौहान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोमेंद्र पोनियां, उपाध्यक्ष सीपी रावत, हितेंद्र यादव, सचिव अरुण रावत, कोषाध्यक्ष राष्ट्रदीप जैन, सहसचिव विवेक शर्मा, देवेंद्र प्रताप सिंह, संजय शर्मा, अनिल शर्मा, रामपाल सिंह, उपेंद्र यादव, जाविद अली, अंकित श्रोतिया, सुनील गर्ग, संतोष शर्मा, कुलदीप उपाध्याय, अनुज रावत, गुलाब सिंह, योगेंद्र सिंह,धीरज बघेल आदि पत्रकार गण मौजूद रहे।

निपुण भारत मिशन की समीक्षा बैठक में सीडीओ सख्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य की अध्यक्षता में 'निपुण भारत मिशन' के अंतर्गत बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक पात्र बच्चे का विद्यालय में शत-प्रतिशत नामांकन कराया जाए तथा शिक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को निर्देशित किया कि नामांकन अभियान में तेजी लाकर प्रत्येक बच्चे का प्रवेश सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विद्यालयों का नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि निरीक्षण के दौरान यदि कोई शिक्षक अनुपस्थित पाया जाता है तो उसके विरुद्ध तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। समीक्षा के दौरान शिकोहाबाद एवं एका विकासखंड के विद्यालयों में नामांकन की धीमी प्रगति पर मुख्य विकास अधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक बच्चे को शिक्षा से जोड़ना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सीडीओ ने विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों में पर्याप्त फर्नीचर उपलब्ध कराया जाए। जिन विद्यालयों को जर्जर भवनों से अन्य स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है, वहां उपलब्ध फर्नीचर का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जाए ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में प्राथमिक विद्यालय लड़ीह के निर्माण कार्य की खराब गुणवत्ता पर मुख्य विकास अधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कार्यदायी संस्था को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समय में निर्माण गुणवत्ता में सुधार नहीं किया गया तो संबंधित संस्था को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी।

दिव्यांग विद्यार्थियों की सुविधाओं की समीक्षा करते हुए सीडीओ ने सभी विद्यालयों में दिव्यांग सुलभ शौचालयों के निर्माण कार्य में तेजी लाने और उसे निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि मिड-डे मील के दौरान बच्चों को जमीन पर बैठाकर भोजन न कराया जाए, बल्कि डाइनिंग टेबल अथवा सम्मानजनक व्यवस्था पर ही भोजन कराया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि जिन विद्यालयों के ऊपर से हाई-टेंशन अथवा अन्य विद्युत लाइनें गुजर रही हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा बनी रहे। बैठक के अंत में मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य ने कहा कि, 'बेसिक शिक्षा विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण वातावरण उपलब्ध कराया जाए। नामांकन में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के साथ विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं, स्वच्छता एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी अधिकारी एवं शिक्षक पूरी निष्ठा, जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।'

संक्षिप्त खबरें

आकाशीय बिजली गिरने से चार ट्रांसफार्मर जले

मिर्जापुर। अहरौरा विद्युत सब स्टेशन से संबंधित विभिन्न स्थानों पर बुद्धवार आधी रात को आकाशीय विजली गिरने से चार ट्रांसफार्मर जल गए जिसके कारण सैकड़ों घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।अहरौरा विद्युत सब स्टेशन के जे ई पंचधारी सिंह ने बताया की अहरौरा फीडर पर श्री रामपुर10 के वी , सरिया 10 के वी, सेखवा 25 के वी व अनंदीपुर 25 के वी का ट्रांसफार्मर आकाशीय बिजली के चपेट में आने से जल गया । जिससे ग्रामीण क्षेत्रो की विद्युत सप्लाई ठप हो गया है ।अवर अभियंता पंचधारी सिंह ने बताया की ट्रांसफार्मर जलने की सूचना उच्च अधिकारियों को दे दी गई है जल्द ही ट्रांसफार्मर बदलवाया जाएगा।

अनियंत्रित कंटेनर ने सोते समय पिता-पुत्र को रौंदा, मौके पर मौत

मीरजापुर विंध्याचल। थाना विंध्याचल अंतर्गत गैपुरा चौकी क्षेत्र में बुधवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में पिता और उसके 13 वर्षीय बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरोंई के ठीक सामने हुआ। नींद में ही चली गई जान जानकारी के अनुसार शिव प्रसाद गुप्ता पुत्र गंगा प्रसाद, 36 वर्ष* और उनका बेटा राहुल गुप्ता, 13 वर्ष घर में सो रहे थे। इसी दौरान प्रयागराज से मिर्जापुर की तरफ जा रहा एक अनियंत्रित सीमेंट लदा कंटेनर नियंत्रण खोकर घर में घुस गया और सो रहे पिता-पुत्र को रौंद दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक शिव प्रसाद कबाड़ का काम करके परिवार का जीविकोपार्जन करते थे। इकलौते बेटे राहुल कक्षा 6 में ष्टष्ठस् स्कूल में पढ़ता था। इस हादसे में पत्नी संजू देवी और बेटी दिव्या का रो-रो कर बुरा हाल है। घर में कोहराम मचा हुआ है। कंटेनर की टक्कर से कुल 4 मकान क्षतिग्रस्त होने की भी सूचना है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी सिटी, थाना प्रभारी विंध्याचल और चौकी प्रभारी सुरेश चंद्र द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रयागराज-मिर्जापुर मार्ग पर इस जगह डिवाइडर और इंडिकेटर नहीं होने से इस तरह की घटनाएं बार-बार हो रही हैं। लोगों ने प्रशासन से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

छात्रों के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग, सपा ने डीएम-एसपी को सौंपा ज्ञापन

भदोही। समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव के नेतृत्व में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर काशी नरेश विश्वविद्यालय में छात्र आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों को वापस लेने तथा छात्रों एवं उनके परिजनों का उत्पीड़न बंद करने की मांग की। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि आंदोलन में नामजद छात्रों के परिजनों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक छात्र के परिजन को ज्ञानपुर कोतवाली बुलाया गया था, जिसे जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव के हस्तक्षेप के बाद घंटों की बातचीत के उपरांत छोड़ दिया गया। प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने छात्र आंदोलनों के मामलों में अनावश्यक सख्ती से बचने के निर्देश दिए हैं। इसी के अनुरूप छात्रों और उनके परिवारों को परेशान न किया जाए तथा छात्र आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों को वापस लेकर उनके भविष्य को सुरक्षित किया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में विधायक जाहिद बेग, पूर्व जिलाध्यक्ष विकास यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष आरिफ सिद्दीकी, जिला महासचिव हृदय नारायण प्रजापति, रामधनी यादव तथा जिला मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार मिश्र 'पप्पू' सहित अन्य सपा नेता मौजूद रहे।

एबीसी सेंटर निर्माण को लेकर प्रशासन सक्रिय

मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना एवं 15वें वित्त आयोग के प्रस्तावों की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना एवं वंदन योजना के सम्बन्ध में जनपद के समस्त नगरीय निकायों के अधिशासी अधिकारियों एवं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन के निर्देशानुसार एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) सेंटर की स्थापना के लिए उपयुक्त भूमि के चिन्हांकन पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना एवं 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत नगरीय निकायों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में वन्दन योजना के अन्तर्गत चुर्क नगर पंचायत में शीतला माता मन्दिर पर अवस्थापना सुविधायें एवं सौन्दर्यीकरण कराने हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेषित किये जाने हेतु जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किये।

जिलाधिकारी ने प्रस्तुत प्रस्तावों का परीक्षण करते हुए उपयुक्त एवं जनहितकारी कार्यों को स्वीकृति प्रदान की तथा जो प्रस्ताव योजना की गाइडलाइन के अनुरूप नहीं पाए गए, उनके स्थान पर नियमों के अनुरूप अन्य जनोपयोगी कार्यों के प्रस्ताव दो दिवस के भीतर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि योजनाओं के अंतर्गत ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाए, जिनसे नगरों की उपयोगिता, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं तथा सौंदर्यीकरण में प्रभावी वृद्धि हो और आमजन को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि शासन की प्रत्येक योजना का क्रियान्वयन गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 श्री वागीश कुमार शुक्ला, नगर निकाय के सभी अधिशासी अधिकारी एवं संबंधित अवर अभियंता उपस्थित रहे।

जिला ओलंपिक संघ का वार्षिक समारोह 9 अगस्त को

मिर्ज़ापुर आशीष पटेल कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश शासन मुख्यअतिथि एवं जिला अधिकारी मिर्ज़ापुर विशिष्ट अतिथि होंगे उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के सह संयुक्त सचिव तथा मिर्ज़ापुर ओलिंपिक एवं वॉलीबॉल संघ के महासचिव एस.पी.त्रिपाठी ने एक प्रेस विज्ञपति में सुचित किया है कि दिनांक 9 अगस्त रविवार को जिला कोऑपरेटिव बैंक के (कचहरी परिसर) सभागार में दिन में 12 बजे, जिला ओलंपिक संघ के स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में वार्षिक समारोह का आयोजन करने जा रहा है जिला ओलंपिक संघ की विशेष बैठक भी प्रातः 10:00 बजे अयोजित की जाएगी जिसमें वर्ष 2026-27 का खेल कैलेंडर तथा मिर्ज़ापुर ओलिंपिक संघ का पुनर्गठन तथा वर्ष 2026 में जिन बालक - बालिकाओ (महिला ,पुरुष) ने राज्य ,राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जनपद का खेल के तौर पर मान-सम्मान बढ़ाया है उनको पुरुस्कृत भी किया जाएगा एस.पी.त्रिपाठी ने सभी जनपद के मान्यता प्राप्त जो प्रदेश संघ से पंजीकृत हो सभी से निवेदन किया है कि वे समय से संघ की बैठक में उपस्थित हों तथा जनपद के सभी खेलों से जुड़े खिलाड़ियों से अपील की है कि उक्त कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराएं।

प्रेमी से शादी की मांग, टावर पर चढ़ी महिला

प्रेमी से शादी की मांग को लेकर छह माह की गर्भवती महिला मोबाइल टावर पर चढ़ी, चार घंटे बाद उतरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज। प्रेमी द्वारा शादी से इनकार और कथित प्रताड़ना से आहत छह माह की गर्भवती महिला गुरुवार को गोपीगंज कस्बे में एक मोबाइल टावर पर चढ़ गई। करीब चार घंटे तक चले घटनाक्रम के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के समझाने-बुझाने तथा विधिक कार्रवाई के आश्वासन पर महिला सुरक्षित नीचे उतर आई। इसके बाद पुलिस उसे अपने साथ लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुट गई। जानकारी के अनुसार, गोपीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बिरनई निवासी प्रतिमा बिंद का आरोप है कि गांव के ही लवकुश बिंद के साथ उसका कई वर्षों से प्रेम संबंध था। इस दौरान दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने, जिससे वह गर्भवती हो गई। महिला का आरोप है कि गर्भधारण के बाद उसने शादी करने का दबाव बनाया, लेकिन युवक लगातार टालमटोल करता रहा।

महिला का कहना है कि उसने पहले भी गोपीगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। करीब तीन माह पूर्व वह न्याय की मांग को लेकर थाने के सामने धरने पर बैठी थी। उस समय पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर कोर्ट मैरिज कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन अगले दिन आधार कार्ड न होने का हवाला देकर शादी नहीं हो सकी। महिला ने आरोप लगाया कि उसे प्रेमी के घर पर रहने की अनुमति और सम्मान नहीं दिया गया तथा लगातार प्रताड़ित किया गया। दो दिनों तक थाने के चक्कर लगाने के बावजूद कार्रवाई न होने से क्षुब्ध होकर उसने मोबाइल टावर पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन किया। घटना की सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत और समझाइश के बाद महिला को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। पुलिस का कहना है कि महिला की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

विट्ठलपुर में भक्ति और भंडारे का आयोजन

प्राचीन हनुमान मंदिर विट्ठलपुर में अखण्ड श्री रामचरित मानस पाठ एवं विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़ संवाद, गुरु पूर्णिमा के शुभ पावन अवसर पर क्षेत्र के विट्ठलपुर ग्राम पंचायत में स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पर अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ का बुधवार को विधि-विधान से समापन हुआ। तत्पश्चात मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति के अनुसार मंगलवार सुबह 10 बजे अखंड श्री राम चरित्र मानस पाठ का शुभारंभ जो 24 घंटे तक लगातार चला। जिसमें क्षेत्र के साथ साथ आजमगढ़ की धरती से पधारे कलाकारों द्वारा मन मोहक स्वरों से क्षेत्र के लोगों का मन मोह लिए। गुरु पूर्णिमा के दिन पाठ के समापन पर हवन-पूजन और आरती के साथ बजरंग बली का विशेष श्रृंगार किया गया।समापन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। भंडारे में सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतारें लग गई। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने पंक्ति में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों ने बताया कि भंडारे में करीब चार पांच हजार के करीब लोगों ने प्रसाद पाया।मंदिर के पुजारी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के दिन हनुमान जी और गुरु दोनों की कृपा एक साथ मिलती है। अखण्ड श्रीराम चरित मानस पाठ और भंडारे से क्षेत्र में सुख-शांति और समृद्धि का संदेश गया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे भंडारे में सहयोग देने वाले दानदाताओं और स्वयंसेवकों का मंदिर समिति ने आभार व्यक्त किया।

लोक गायन कार्यशाला का समापन, 35 छात्र-छात्राओं को वितरित किए गए प्रमाणपत्र

भदोही। उत्तर प्रदेश लोक जनजाति एवं संस्कृति संस्थान, संस्कृति विभाग, लखनऊ एवं जगदंबे न्यू बाल शिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'सृजन' कार्यक्रम के अंतर्गत जेएनवीएस कान्वेंट स्कूल, परऊपुर में आयोजित 10 दिवसीय लोक गायन कार्यशाला का गुरुवार को समापन हो गया। समापन समारोह में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 35 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। मुख्य अतिथि शहीद झूरी सिंह के प्रपौत्र डॉ. रामेश्वर सिंह ने कहा कि संस्कृति विभाग का यह कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय है। इससे विलुप्त होती लोक कला एवं लोक गायन की परंपराओं का संरक्षण होगा और नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित होकर उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित होगी। कार्यशाला में लोक गायक घनश्याम शुक्ला ने 10 दिनों तक बच्चों को कजरी, भरथरी, करिंगा, पवारा, चितमा, जगराता, छठ गीत, घटपूजा, चैता एवं चट्टी सहित विभिन्न लोक गायन विधाओं का प्रशिक्षण दिया।

पुलिस की प्रभावी पैरवी से धारा 376 भादवि के अभियोग में अभियुक्त दोष सिद्ध

न्यायालय द्वारा 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 50,000/- अर्थदण्ड से किया गया दण्डित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ एवं अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन, वाराणसी के निर्देशन, पुलिस उप महानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र, मिर्जापुर के कुशल पर्यवेक्षण तथा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे Operation Conviction अभियान के क्रम में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।सोनभद्र पुलिस द्वारा की गई प्रभावी विवेचना, सुदृढ़ साक्ष्य संकलन एवं अभियोजन पक्ष की प्रभावी न्यायालयीन पैरवी के फलस्वरूप थाना रॉबर्ट्सगंज पर पंजीकृत धारा 376 भादवि से सम्बन्धित अभियोग में न्यायालय द्वारा अभियुक्त को दोषसिद्ध करते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 50,000/- अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र एसटी संख्याः 114/2017 मु0अ0 सं0 : 327/2017 धारा 376 भादवि दोषसिद्ध अभियुक्त- सन्तोष पासवान पुत्र हरि पासवान, निवासी बगथरी कला, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र। न्यायालय, एएसजे/ एफटीसी/ सीएडब्लू जनपद सोनभद्र द्वारा अभियुक्त सन्तोष पासवान को धारा 376 भादवि के अपराध में 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं ?50,000/- अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड अदा न करने पर अभियुक्त को 06 माह के अतिरिक्त कारावास से दण्डित किए जाने का आदेश पारित किया गया। अभियुक्त द्वारा जेल में बिताई गई अवधि को सजा में समायोजित किए जाने का आदेश मा. न्यायालय द्वारा पारित किया गया है।उक्त अभियोग में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा की गई प्रभावी विवेचना, अभियोजन अधिकारी की सशक्त न्यायालयीन पैरवी, कोर्ट मोहर्रिर के समन्वय तथा जनपद मॉनिटरिंग सेल की सतत निगरानी एवं प्रभावी अनुश्रवण के परिणामस्वरूप अभियुक्त को दोषसिद्ध कराते हुए मा. न्यायालय से सजा सुनिश्चित कराई गई।सोनभद्र पुलिस अपराधियों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई तथा गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं सशक्त अभियोजन के माध्यम से दोषियों को माननीय न्यायालय से सजा दिलाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

डीएम शैलेष कुमार व एसपी अभिनव त्यागी ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने गुरुवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा कारागार की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल परिसर की सुरक्षा, बैरकों, रसोईघर, चिकित्सालय, मुलाकात कक्ष, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की शिथिलता न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने बैरकों की नियमित तलाशी, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, बंदियों की गणना, भोजन की गुणवत्ता, पेयजल, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाए रखने पर जोर दिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि बंदियों को शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा कारागार परिसर में स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखा जाए। वहीं पुलिस अधीक्षक ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार में निरुद्ध बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी भी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला कारागार के जेल अधीक्षक एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नाली-जाली की सफाई न होने से झरना बना ओवरब्रिज, हादसे की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज। बारिश से पहले ओवरब्रिज पर बनी नालियों और जल निकासी व्यवस्था की सफाई नहीं कराए जाने से गोपीगंज का ओवरब्रिज झरने में तब्दील हो गया है। पहलवान बीर मंदिर से गिराई पेट्रोल पंप तक पुल के दोनों लेन पर जलभराव बना हुआ है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ओवरब्रिज और राष्ट्रीय राजमार्ग के रखरखाव व मेंटेनेंस पर हर माह लाखों रुपये खर्च करने का दावा करता है, लेकिन जल निकासी व्यवस्था की समय पर सफाई नहीं होने से बारिश का पानी पुल पर जमा हो रहा है। सड़क चौड़ीकरण के दौरान निर्मित ओवरब्रिज पर जल निकासी के लिए नालियां और पाइप लगाए गए थे, लेकिन नियमित सफाई के अभाव में पाइप जाम हो गए हैं। इसके कारण पानी पुल पर ही भर जाता है और ऊपर से गुजरने वाले वाहनों के दबाव से नीचे गिरता रहता है। बारिश बंद होने के कई दिनों बाद भी पुल से पानी टपकने का सिलसिला जारी रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ओवरब्रिज पर लगातार जलभराव रहने से फिसलन बढ़ गई है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष श्रीकांत जायसवाल ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कराते हुए ओवरब्रिज की नालियों और जल निकासी पाइपों की तत्काल सफाई कराने की मांग की है।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से पर्यावरण संरक्षण को मिल रही नई दिशा

जौनपुर। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चलाया जा रहा 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 अभियान प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़कर जनआंदोलन का रूप ले रहा है। डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह ने गुरुवार को मुख्य अतिथि के रूप में आईआईए औद्योगिक क्षेत्र, सतहरिया एवं यूपीसीडीए, सतहरिया द्वारा आयोजित वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वाराणसी के संयोजन में किया गया। इस दौरान उन्होंने एमकेडी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों एवं सुरक्षा बलों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाए तो पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य प्रभावी रूप से हासिल किया जा सकता है।

जिला उद्योग बंधु एवं जिला निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक सम्पन्न

व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण, औद्योगिक निवेश को बढ़ावा तथा रोजगार सृजन पर जिलाधिकारी का विशेष जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोहीः- जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बंधु एवं जिला निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उद्योग-व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों, उद्यमियों, निवेशकों एवं व्यापारियों के साथ व्यापार, उद्योग, निवेश, निर्यात तथा विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं एवं सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में व्यापारियों, उद्यमियों एवं निवेशकों से संबंधित सभी प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्यमियों के प्रति सहयोगात्मक एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए लंबित मामलों का नियमानुसार शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि जनपद में औद्योगिक गतिविधियों को गति मिले तथा अधिक से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हो सकें।

जिलाधिकारी ने खाद्य एवं रसद, विद्युत, प्रदूषण नियंत्रण, व्यापार कर सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत को विद्युत संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान तथा रोस्टर के अनुरूप निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में व्यापारियों द्वारा राजपुरा चौराहा एवं लिप्पन चौराहे पर जाम की समस्या उठाई गई। इस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद भदोही को अतिक्रमण चिन्हित कर प्रभावी अभियान चलाकर उसे हटाने के निर्देश दिए। साथ ही अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को लिप्पन चौराहे के चौड़ीकरण का प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कारपेट बैंकिंग क्लस्टर को एक सप्ताह के भीतर संचालित कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की समीक्षा के दौरान विकास खंडों में लंबित प्रकरणों पर जिलाधिकारी ने संबंधित खंड विकास अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए एक सप्ताह के भीतर जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) को निर्देशित किया कि जिन बैंकों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, उनकी प्रतिदिन मॉनिटरिंग करते हुए नियमित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। जिलाधिकारी ने लीड बैंक सहित सभी बैंक अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप अधिक से अधिक ऋण प्रकरण स्वीकृत करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, जनपद में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए लैंड बैंक डाटा उपलब्ध कराने, प्लग एंड प्ले पार्क विकसित करने, सिटी ऑफ एक्सपोर्ट एक्सीलेंस तथा डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया। साथ ही पीएम सूर्यघरःमुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने औद्योगिक विकास के लिए निवेशकों के साथ मास्टर प्लान के अनुरूप ही विकास कार्य किए जाने पर बल दिया तथा बीडा क्षेत्र के निवासियों से अपील की कि वे भवन निर्माण से पूर्व मानचित्र स्वीकृत अवश्य कराएं। उन्होंने भूमि एवं राजस्व संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त उद्योग, अग्रणी जिला प्रबंधक, निर्यातकगण, अधिशासी अभियंता विद्युत, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनपद के व्यापारी, उद्यमी, निवेशक तथा व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दुर्गागंज पुलिस ने चोरी का किया खुलासा, कबाड़ दुकानदार समेत चार गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। दुर्गागंज थाना पुलिस ने सिंचाई की प्लास्टिक पाइप चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक कबाड़ दुकानदार समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन बाल अपचारी भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी की गई प्लास्टिक पाइप बरामद की है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को थाना दुर्गागंज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर प्रयागराज जनपद के थाना सरायममरेज क्षेत्र स्थित जंघई बाजार में पंकज गुप्ता की कबाड़ की दुकान पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कबाड़ दुकानदार पंकज गुप्ता (28) निवासी जंघई बाजार तथा तीन बाल अपचारियों को हिरासत में लिया। मौके से चोरी की गई सिंचाई वाली प्लास्टिक पाइप बरामद की गई।

पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि उन्होंने 28 जून 2026 की सुबह सिंचाई की प्लास्टिक पाइप चोरी की थी। चोरी का सामान बेचने और रुपये लेने के लिए वे कबाड़ की दुकान पर एकत्र हुए थे, तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। इस संबंध में थाना दुर्गागंज में दर्ज मुकदमा संख्या 83/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता

(बीएनएस) की संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रवीन्द्र प्रसाद गुप्ता, उपनिरीक्षक राजेश सिंह, कांस्टेबल आश्विन कुमार चौधरी, राजकुमार, राघवेन्द्र, शिवश्याम एवं प्रकाश शामिल रहे।

एडीसीओ सदर ने किया बहुआर बीपैक्स का निरीक्षण

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश-उपायुक्त सहकारिता अमित कुमार पांडेय के निर्देश पर एडीसीओ सदर निर्मल कुमार मौर्य ने बृहस्पतिवार को राबर्टसगंज ब्लॉक स्थित बीपैक्स बहुआर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एडीसीओ ने समिति की कैशबुक, संतुलनपत्र और सदस्य खातो का अवलोकन किया। सचिव विन्ध्याचल राम ने अधिकारी को समिति की वित्तीय स्थिति और व्यवसाय के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। एडीसीओ सदर ने समिति सचिव और अन्य कर्मचारीगण से कहा कि बीपैक्स मे समयबद्धता और वित्तीय अनुशासन ही समिति के सशक्तिकरण का मूल आधार है तथा ग्रामीण भारत को सशक्त करना ही सहकारी समिति की सफलता का

मानक है। एडीसीओ निर्मल मौर्य ने जहाँ एक ओर समिति के डाटा बाउचर फीडिंग को नियमित रूप से सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया वहीं समिति के ऋण वितरण, वसूली और नकद बिक्री के नियमित अभिलेखीकरण मे सुधार लाने के निर्देश भी दिए। एडीसीओ ने निर्देशित किया कि किसी भी किसान को अनुमन्य मात्रा से अधिक उर्वरक न दें तथा वितरण कार्य मे पारदर्शिता और नियमबद्धता का विशेष ध्यान दें।

मसाज सेंटर की आड़ में चल रहा था देह व्यापार

अलीगढ़। किशनपुर तिराहे स्थित एक आयुर्वेदिक मसाज सेंटर पर पुलिस ने छापेमारी कर अनैतिक गतिविधियों का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सेंटर के संचालक समेत दो पुरुष और तीन महिलाओं को हिरासत में लिया। सभी के खिलाफ क्वार्सी थाने में अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। सीओ सिविल लाइन सर्वम सिंह के अनुसार मसाज सेंटर में अनैतिक गतिविधियां संचालित होने की सूचना मिलने पर टीम ने बुधवार देर शाम छापा मारा। पुलिस को देखकर वहां अफरा-तफरी मच गई।

संक्षिप्त खबरें

आकाशीय बिजली गिरने से चार ट्रांसफार्मर जले

मिर्जापुर। अहरौरा विद्युत सब स्टेशन से संबंधित विभिन्न स्थानों पर बुद्धवार आधी रात को आकाशीय बिजली गिरने से चार ट्रांसफार्मर जल गए जिसके कारण सैकड़ों घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।अहरौरा विद्युत सब स्टेशन के जे ई पंचधारी सिंह ने बताया की अहरौरा फीडर पर श्री रामपुर10 के वी , सरिया 10 के वी, सेखवा 25 के वी व अनंदीपुर 25 के वी का ट्रांसफार्मर आकाशीय बिजली के चपेट में आने से जल गया । जिससे ग्रामीण क्षेत्रो की विद्युत सप्लाई ठप हो गया है ।अवर अभियंता पंचधारी सिंह ने बताया की ट्रांसफार्मर जलने की सूचना उच्च अधिकारियों को दे दी गई है जल्द ही ट्रांसफार्मर बदलवाया जाएगा।

अनियंत्रित कंटेनर ने सोते समय पिता-पुत्र को रौंदा, मौके पर मौत

मीरजापुर विंध्याचल। थाना विंध्याचल अंतर्गत गैपुरा चौकी क्षेत्र में बुधवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में पिता और उसके 13 वर्षीय बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरोंई के ठीक सामने हुआ। नींद में ही चली गई जान जानकारी के अनुसार शिव प्रसाद गुप्ता पुत्र गंगा प्रसाद, 36 वर्ष* और उनका बेटा राहुल गुप्ता, 13 वर्ष घर में सो रहे थे। इसी दौरान प्रयागराज से मिर्जापुर की तरफ जा रहा एक अनियंत्रित सीमेंट लदा कंटेनर नियंत्रण खोकर घर में घुस गया और सो रहे पिता-पुत्र को रौंद दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक शिव प्रसाद कबाड़ का काम करके परिवार का जीविकोपार्जन करते थे। इकलौते बेटे राहुल कक्षा 6 में ष्ष्ठरु स्कूल में पढ़ता था। इस हादसे में पत्नी संजू देवी और बेटी दिव्या का रो-रो कर बुरा हाल है। घर में कोहराम मचा हुआ है। कंटेनर की टक्कर से कुल 4 मकान क्षतिग्रस्त होने की भी सूचना है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी सिटी, थाना प्रभारी विंध्याचल और चौकी प्रभारी सुरेश चंद्र द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रयागराज-मिर्जापुर मार्ग पर इस जगह डिवाइडर और इंडिकेटर नहीं होने से इस तरह की घटनाएं बार-बार हो रही हैं। लोगों ने प्रशासन से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

छात्रों के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग, सपा ने डीएम-एसपी को सौंपा ज्ञापन

भदोही। समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव के नेतृत्व में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर काशी नरेश विश्वविद्यालय में छात्र आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों को वापस लेने तथा छात्रों एवं उनके परिजनों का उत्पीड़न बंद करने की मांग की। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि आंदोलन में नामजद छात्रों के परिजनों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक छात्र के परिजन को ज्ञानपुर कोतवाली बुलाया गया था, जिसे जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव के हस्तक्षेप के बाद घंटों की बातचीत के उपरांत छोड़ दिया गया। प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने छात्र आंदोलनों के मामलों में अनावश्यक सख्ती से बचने के निर्देश दिए हैं। इसी के अनुरूप छात्रों और उनके परिवारों को परेशान न किया जाए तथा छात्र आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों को वापस लेकर उनके भविष्य को सुरक्षित किया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में विधायक जाहिद बेग, पूर्व जिलाध्यक्ष विकास यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष आरिफ सिद्दीकी, जिला महासचिव हृदय नारायण प्रजापति, रामधनी यादव तथा जिला मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार मिश्र 'पप्पू' सहित अन्य सपा नेता मौजूद रहे।

एबीसी सेंटर निर्माण को लेकर प्रशासन सक्रिय

मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना एवं 15वें वित्त आयोग के प्रस्तावों की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना एवं वंदन योजना के सम्बन्ध में जनपद के समस्त नगरीय निकायों के अधिशासी अधिकारियों एवं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन के निर्देशानुसार एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) सेंटर की स्थापना के लिए उपयुक्त भूमि के चिन्हांकन पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना एवं 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत नगरीय निकायों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में वन्दन योजना के अन्तर्गत चुर्क नगर पंचायत में शीतला माता मन्दिर पर अवस्थापना सुविधायें एवं सौन्दर्यीकरण कराने हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेषित किये जाने हेतु जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किये।

जिलाधिकारी ने प्रस्तुत प्रस्तावों का परीक्षण करते हुए उपयुक्त एवं जनहितकारी कार्यों को स्वीकृति प्रदान की तथा जो प्रस्ताव योजना की गाइडलाइन के अनुरूप नहीं पाए गए, उनके स्थान पर नियमों के अनुरूप अन्य जनोपयोगी कार्यों के प्रस्ताव दो दिवस के भीतर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि योजनाओं के अंतर्गत ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाए, जिनसे नगरों की उपयोगिता, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं तथा सौंदर्यीकरण में प्रभावी वृद्धि हो और आमजन को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि शासन की प्रत्येक योजना का क्रियान्वयन गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 श्री वागीश कुमार शुक्ला, नगर निकाय के सभी अधिशासी अधिकारी एवं संबंधित अवर अभियंता उपस्थित रहे।

विट्ठलपुर में भक्ति और भंडारे का आयोजन

प्राचीन हनुमान मंदिर विट्ठलपुर में अखण्ड श्री रामचरित मानस पाठ एवं विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़ संवाद, गुरु पूर्णिमा के शुभ पावन अवसर पर क्षेत्र के विट्ठलपुर ग्राम पंचायत में स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पर अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ का बुधवार को विधि-विधान से समापन हुआ। तत्पश्चात मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति के अनुसार मंगलवार सुबह 10 बजे अखंड श्री राम चरित्र मानस पाठ का शुभारंभ जो 24 घंटे तक लगातार चला। जिसमें क्षेत्र के साथ साथ आजमगढ़ की धरती से पधारे कलाकारों द्वारा मन मोहक स्वरों से क्षेत्र के लोगों का मन मोह लिए। गुरु पूर्णिमा के दिन पाठ के समापन पर हवन-पूजन और आरती के साथ बजरंग बली का विशेष श्रृंगार किया गया।समापन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। भंडारे में सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतारें लग गई। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने पंक्ति में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों ने बताया कि भंडारे में करीब चार पांच हजार के करीब लोगों ने प्रसाद पाया।मंदिर के पुजारी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के दिन हनुमान जी और गुरु दोनों की कृपा एक साथ मिलती है। अखण्ड श्रीराम चरित मानस पाठ और भंडारे से क्षेत्र में सुख-शांति और समृद्धि का संदेश गया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे भंडारे में सहयोग देने वाले दानदाताओं और स्वयंसेवकों का मंदिर समिति ने आभार व्यक्त किया।

लोक गायन कार्यशाला का समापन, 35 छात्र-छात्राओं को वितरित किए गए प्रमाणपत्र

भदोही। उत्तर प्रदेश लोक जनजाति एवं संस्कृति संस्थान, संस्कृति विभाग, लखनऊ एवं जगदंबे न्यू बाल शिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'सृजन' कार्यक्रम के अंतर्गत जेएनवीएस कान्वेंट स्कूल, परऊपुर में आयोजित 10 दिवसीय लोक गायन कार्यशाला का गुरुवार को समापन हो गया। समापन समारोह में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 35 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। मुख्य अतिथि शहीद झूरी सिंह के प्रपौत्र डॉ. रामेश्वर सिंह ने कहा कि संस्कृति विभाग का यह कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय है। इससे विलुप्त होती लोक कला एवं लोक गायन की परंपराओं का संरक्षण होगा और नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित होकर उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित होगी। कार्यशाला में लोक गायक घनश्याम शुक्ला ने 10 दिनों तक बच्चों को कजरी, भरथरी, करिंगा, पवारा, चितमा, जगराता, छठ गीत, घटपूजा, चैता एवं चट्टी सहित विभिन्न लोक गायन विधाओं का प्रशिक्षण दिया।

डीएम शैलेष कुमार व एसपी अभिनव त्यागी ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने गुरुवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा कारागार की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल परिसर की सुरक्षा, बैरकों, रसोईघर, चिकित्सालय, मुलाकात कक्ष, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की शिथिलता न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने बैरकों की नियमित तलाशी, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, बंदियों की गणना, भोजन की गुणवत्ता, पेयजल, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाए रखने पर जोर दिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि बंदियों को शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा कारागार परिसर में स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखा जाए। वहीं पुलिस अधीक्षक ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार में निरुद्ध बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी भी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला कारागार के जेल अधीक्षक एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला उद्योग बंधु एवं जिला निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक सम्पन्न

व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण, औद्योगिक निवेश को बढ़ावा तथा रोजगार सृजन पर जिलाधिकारी का विशेष जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बंधु एवं जिला निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उद्योग-व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों, उद्यमियों, निवेशकों एवं व्यापारियों के साथ व्यापार, उद्योग, निवेश, निर्यात तथा विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं एवं सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में व्यापारियों, उद्यमियों एवं निवेशकों से संबंधित सभी प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्यमियों के प्रति सहयोगात्मक एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए लंबित मामलों का नियमानुसार शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि जनपद में औद्योगिक गतिविधियों को गति मिले तथा अधिक से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हो सकें।

जिलाधिकारी ने खाद्य एवं रसद, विद्युत, प्रदूषण नियंत्रण, व्यापार कर सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत को विद्युत संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान तथा रोस्टर के अनुरूप निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में व्यापारियों द्वारा राजपुरा चौराहा एवं लिप्पन चौराहे पर जाम की समस्या उठाई गई। इस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद भदोही को अतिक्रमण चिन्हित कर प्रभावी अभियान चलाकर उसे हटाने के निर्देश दिए। साथ ही अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को लिप्पन चौराहे के चौड़ीकरण का प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कारपेट बैंकिंग क्लस्टर को एक सप्ताह के भीतर संचालित कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की समीक्षा के दौरान विकास खंडों में लंबित प्रकरणों पर जिलाधिकारी ने संबंधित खंड विकास अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए एक सप्ताह के भीतर जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) को निर्देशित किया कि जिन बैंकों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, उनकी प्रतिदिन मॉनिटरिंग करते हुए नियमित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। जिलाधिकारी ने लीड बैंक सहित सभी बैंक अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप अधिक से अधिक ऋण प्रकरण स्वीकृत करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, जनपद में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए लैंड बैंक डाटा उपलब्ध कराने, प्लग एंड प्ले पार्क विकसित करने, सिटी ऑफ एक्सपोर्ट एक्सीलेंस तथा डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया। साथ ही पीएम सूर्यघर:मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने औद्योगिक विकास के लिए निवेशकों के साथ मास्टर प्लान के अनुरूप ही विकास कार्य किए जाने पर बल दिया तथा बीडा क्षेत्र के निवासियों से अपील की कि वे भवन निर्माण से पूर्व मानचित्र स्वीकृत अवश्य कराएं। उन्होंने भूमि एवं राजस्व संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त उद्योग, अग्रणी जिला प्रबंधक, निर्यातकगण, अधिशासी अभियंता विद्युत, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनपद के व्यापारी, उद्यमी, निवेशक तथा व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला ओलंपिक संघ का वार्षिक समारोह 9 अगस्त को

मिर्जापुर आशीष पटेल कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश शासन मुख्यअतिथि एवं जिला अधिकारी मिर्ज़ापुर विशिष्ट अतिथि होंगे उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के सह संयुक्त सचिव तथा मिर्ज़ापुर ओलंपिक एवं वॉलीबॉल संघ के महासचिव एस.पी.त्रिपाठी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में सूचित किया है कि दिनांक 9 अगस्त रविवार को जिला कोऑपरेटिव बैंक के (कचहरी परिसर) सभागार में दिन में 12 बजे, जिला ओलंपिक संघ के स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में वार्षिक समारोह का आयोजन करने जा रहा है जिला ओलंपिक संघ की विशेष बैठक भी प्रातः 10:00 बजे अयोजित की जाएगी जिसमें वर्ष 2026-27 का खेल कैलेंडर तथा मिर्ज़ापुर ओलंपिक संघ का पुनर्गठन तथा वर्ष 2026 में जिन बालक -बालिकाओ (महिला ,पुरुष) ने राज्य ,राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जनपद का खेल के तौर पर मान-सम्मान बढ़ाया है उनको पुरस्कृत भी किया जाएगा एस.पी.त्रिपाठी ने सभी जनपद के मान्यता प्राप्त जो प्रदेश संघ से पंजीकृत हो सभी से निवेदन किया है कि वे समय से संघ की बैठक में उपस्थित हों तथा जनपद के सभी खेलों से जुड़े खिलाड़ियों से अपील की है कि उक्त कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराएं।

प्रेमी से शादी की मांग, टावर पर चढ़ी महिला

प्रेमी से शादी की मांग को लेकर छह माह की गर्भवती महिला मोबाइल टावर पर चढ़ी, चार घंटे बाद उतरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज। प्रेमी द्वारा शादी से इनकार और कथित प्रताड़ना से आहत छह माह की गर्भवती महिला गुरुवार को गोपीगंज कस्बे में एक मोबाइल टावर पर चढ़ गई। करीब चार घंटे तक चले घटनाक्रम के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के समझाने-बुझाने तथा विधिक कार्रवाई के आश्वासन पर महिला सुरक्षित नीचे उतर आई। इसके बाद पुलिस उसे अपने साथ लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुट गई। जानकारी के अनुसार, गोपीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बिरनई निवासी प्रतिमा बिंद का आरोप है कि गांव के ही लवकुश बिंद के साथ उसका कई वर्षों से प्रेम संबंध था। इस दौरान दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने, जिससे वह गर्भवती हो गई। महिला का आरोप है कि गर्भधारण के बाद उसने शादी करने का दबाव बनाया, लेकिन युवक लगातार टालमटोल करता रहा।

महिला का कहना है कि उसने पहले भी गोपीगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। करीब तीन माह पूर्व वह न्याय की मांग को लेकर थाने के सामने धरने पर बैठी थी। उस समय पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर कोर्ट मैरिज कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन अगले दिन आधार कार्ड न होने का हवाला देकर शादी नहीं हो सकी। महिला ने आरोप लगाया कि उसे प्रेमी के घर पर रहने की अनुमति और सम्मान नहीं दिया गया तथा लगातार प्रताड़ित किया गया। दो दिनों तक थाने के चक्कर लगाने के बावजूद कार्रवाई न होने से क्षुब्ध होकर उसने मोबाइल टावर पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन किया। घटना की सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत और समझाइश के बाद महिला को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। पुलिस का कहना है कि महिला की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस की प्रभावी पैरवी से धारा 376 भादवि के अभियोग में अभियुक्त दोष सिद्ध

न्यायालय द्वारा 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 50,000/- अर्थदण्ड से किया गया दण्डित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ एवं अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन, वाराणसी के निर्देशन, पुलिस उप महानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र, मिर्जापुर के कुशल पर्यवेक्षण तथा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे Operation Conviction अभियान के क्रम में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।सोनभद्र पुलिस द्वारा की गई प्रभावी विवेचना, सुदृढ़ साक्ष्य संकलन एवं अभियोजन पक्ष की प्रभावी न्यायालयीन पैरवी के फलस्वरूप थाना रॉबर्ट्सगंज पर पंजीकृत धारा 376 भादवि से सम्बन्धित अभियोग में न्यायालय द्वारा अभियुक्त को दोषसिद्ध करते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 50,000/- अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र एसटी संख्याः 114/2017 मु0अ0 सं0 : 327/2017 धारा 376 भादवि दोषसिद्ध अभियुक्त-सन्तोष पासवान पुत्र हरि पासवान, निवासी बगथरी कला, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र। न्यायालय, एएसजे/ एफटीसी/ सीएडब्लू जनपद सोनभद्र द्वारा अभियुक्त सन्तोष पासवान को धारा 376 भादवि के अपराध में 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं ?50,000/- अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड अदा न करने पर अभियुक्त को 06 माह के अतिरिक्त कारावास से दण्डित किए जाने का आदेश पारित किया गया। अभियुक्त द्वारा जेल में बिताई गई अवधि को सजा में समायोजित किए जाने का आदेश मा. न्यायालय द्वारा पारित किया गया है।उक्त अभियोग में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा की गई प्रभावी विवेचना, अभियोजन अधिकारी की सशक्त न्यायालयीन पैरवी, कोर्ट मोहर्रिर के समन्वय तथा जनपद मॉनिटरिंग सेल की सतत निगरानी एवं प्रभावी अनुश्रवण के परिणामस्वरूप अभियुक्त को दोषसिद्ध कराते हुए मा. न्यायालय से सजा सुनिश्चित कराई गई।सोनभद्र पुलिस अपराधियों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई तथा गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं सशक्त अभियोजन के माध्यम से दोषियों को माननीय न्यायालय से सजा दिलाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

नाली-जाली की सफाई न होने से झरना बना ओवरब्रिज, हादसे की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज। बारिश से पहले ओवरब्रिज पर बनी नालियों और जल निकासी व्यवस्था की सफाई नहीं कराए जाने से गोपीगंज का ओवरब्रिज झरने में तब्दील हो गया है। पहलवान बीर मंदिर से गिराई पेट्रोल पंप तक पुल के दोनों लेन पर जलभराव बना हुआ है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ओवरब्रिज और राष्ट्रीय राजमार्ग के रखरखाव व मेंटेनेंस पर हर माह लाखों रुपये खर्च करने का दावा करता है, लेकिन जल निकासी व्यवस्था की समय पर सफाई नहीं होने से बारिश का पानी पुल पर जमा हो रहा है। सड़क चौड़ीकरण के दौरान निर्मित ओवरब्रिज पर जल निकासी के लिए नालियां और पाइप लगाए गए थे, लेकिन नियमित सफाई के अभाव में पाइप जाम हो गए हैं। इसके कारण पानी पुल पर ही भर जाता है और ऊपर से गुजरने वाले वाहनों के दबाव से नीचे गिरता रहता है। बारिश बंद होने के कई दिनों बाद भी पुल से पानी टपकने का सिलसिला जारी रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ओवरब्रिज पर लगातार जलभराव रहने से फिसलन बढ़ गई है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष श्रीकांत जायसवाल ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कराते हुए ओवरब्रिज की नालियों और जल निकासी पाइपों की तत्काल सफाई कराने की मांग की है।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से पर्यावरण संरक्षण को मिल रही नई दिशा

जौनपुर। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चलाया जा रहा 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 अभियान प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़कर जनआंदोलन का रूप ले रहा है। डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह ने गुरुवार को मुख्य अतिथि के रूप में आईआईए औद्योगिक क्षेत्र, सतहरिया एवं यूपीसीडीए, सतहरिया द्वारा आयोजित वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वाराणसी के संयोजन में किया गया। इस दौरान उन्होंने एमकेडी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों एवं सुरक्षा बलों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाए तो पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य प्रभावी रूप से हासिल किया जा सकता है।

दुर्गागंज पुलिस ने चोरी का किया खुलासा, कबाड़ दुकानदार समेत चार गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। दुर्गागंज थाना पुलिस ने सिंचाई की प्लास्टिक पाइप चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक कबाड़ दुकानदार समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन बाल अपचारी भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी की गई प्लास्टिक पाइप बरामद की है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को थाना दुर्गागंज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर प्रयागराज जनपद के थाना सरायममरेज क्षेत्र स्थित जंघई बाजार में पंकज गुप्ता की कबाड़ की दुकान पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कबाड़ दुकानदार पंकज गुप्ता (28) निवासी जंघई बाजार तथा तीन बाल अपचारियों को हिरासत में लिया। मौके से चोरी की गई सिंचाई वाली प्लास्टिक पाइप बरामद की गई।

पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि उन्होंने 28 जून 2026 की सुबह सिंचाई की प्लास्टिक पाइप चोरी की थी। चोरी का सामान बेचने और रुपये लेने के लिए वे कबाड़ की दुकान पर एकत्र हुए थे, तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। इस संबंध में थाना दुर्गागंज में दर्ज मुकदमा संख्या 83/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता

(बीएनएस) की संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रवीन्द्र प्रसाद गुप्ता, उपनिरीक्षक राजेश सिंह, कांस्टेबल आश्विन कुमार चौधरी, राजकुमार, राघवेन्द्र, शिवश्याम एवं प्रकाश शामिल रहे।

एडीसीओ सदर ने किया बहुआर बीपैक्स का निरीक्षण

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश-उपायुक्त सहकारिता अमित कुमार पांडेय के निर्देश पर एडीसीओ सदर निर्मल कुमार मौर्य ने बृहस्पतिवार को राबर्टसगंज ब्लॉक स्थित बीपैक्स बहुआर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एडीसीओ ने समिति की कैशबुक, संतुलनपत्र और सदस्य खातो का अवलोकन किया। सचिव विन्ध्याचल राम ने अधिकारी को समिति की वित्तीय स्थिति और व्यवसाय के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। एडीसीओ सदर ने समिति सचिव और अन्य कर्मचारीगण से कहा कि बीपैक्स मे समयबद्धता और वित्तीय अनुशासन ही समिति के सशक्तिकरण का मूल आधार है तथा ग्रामीण भारत को सशक्त करना ही सहकारी समिति की सफलता का

मानक है। एडीसीओ निर्मल मौर्य ने जहाँ एक ओर समिति के डाटा बाउचर फीडिंग को नियमित रूप से सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया वहीँ समिति के ऋण वितरण, वसूली और नकद बिक्री के नियमित अभिलेखीकरण मे सुधार लाने के निर्देश भी दिए। एडीसीओ ने निर्देशित किया कि किसी भी किसान को अनुमन्य मात्रा से अधिक उर्वरक न दें तथा वितरण कार्य मे पारदर्शिता और नियमबद्धता का विशेष ध्यान दें।

मसाज सेंटर की आड़ में चल रहा था देह व्यापार

अलीगढ़। किशनपुर तिराहे स्थित एक आयुर्वेदिक मसाज सेंटर पर पुलिस ने छापेमारी कर अनैतिक गतिविधियों का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सेंटर के संचालक समेत दो पुरुष और तीन महिलाओं को हिरासत में लिया। सभी के खिलाफ क्वार्सी थाने में अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। सीओ सिविल लाइन सर्वम सिंह के अनुसार मसाज सेंटर में अनैतिक गतिविधियां संचालित होने की सूचना मिलने पर टीम ने बुधवार देर शाम छापा मारा। पुलिस को देखकर वहां अफरा-तफरी मच गई।

मलिहाबाद में जमीन विवाद को लेकर पीड़ित परिवार ने लगाया पुलिस पर दबाव बनाने का आरोप, जान का खतरा बताया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम रामपुर बस्ती में जमीन विवाद का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय पुलिस लीपापोती कर रही है और उन पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है। परिवार का कहना है कि उन्हें अपनी जान का खतरा बना हुआ है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। पीड़ित परिवार के अनुसार, परिवार के सदस्य करन रावत, धर्म रावत, राजवीर रावत, नैना रावत इस विवाद से प्रभावित हैं। उनका आरोप है कि गांव में जहां एक बिस्वा जमीन की कीमत करीब 5 लाख रुपये है, वहीं उनके बड़े भाई को शराब पिलाकर बहला-फुसलाकर बेहद कम कीमत पर जमीन का बैनामा करा लिया गया। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि इस पूरे प्रकरण में ग्राम प्रधान रामशंकर की भूमिका संदिग्ध रही और उन्होंने साजिश के तहत जमीन का बैनामा कराया। और पूरा पैसा हड़प कर लिया उनका कहना है कि इस मामले की निष्पक्ष आर्थिक एवं दस्तावेजी जांच कराई जानी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। परिवार का यह भी आरोप है कि मलिहाबाद थाने में मामले की निष्पक्ष सुनवाई नहीं हो रही है। उनका कहना है कि एक दरोगा, जिसका वर्तमान में संबंधित हल्के से तबादला हो चुका है, फिर भी उन्हें फोन कर थाने बुला रहा है और जांच के नाम पर दबाव बना रहा है। पीड़ितों ने सवाल उठाया कि यदि जांच दस्तावेजों और बैंक खातों से संबंधित है तो उन्हें बार-बार थाने बुलाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। पीड़ित परिवार ने मांग की है कि पूरे मामले में बैंक खातों, जमीन के बैनामे और अन्य दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें लगातार धमकाया जा रहा है, जिससे परिवार भय के माहौल में जी रहा है द्य मामले की सत्यता जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

पीड़ित परिवार के अनुसार, परिवार के सदस्य करन रावत, धर्म रावत, राजवीर रावत, नैना रावत इस विवाद से प्रभावित हैं। उनका आरोप है कि गांव में जहां एक बिस्वा जमीन की कीमत करीब 5 लाख रुपये है, वहीं उनके बड़े भाई को शराब पिलाकर बहला-फुसलाकर बेहद कम कीमत पर जमीन का बैनामा करा लिया गया। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि इस पूरे प्रकरण में ग्राम प्रधान रामशंकर की भूमिका संदिग्ध रही और उन्होंने साजिश के तहत जमीन का बैनामा कराया। और पूरा पैसा हड़प कर लिया उनका कहना है कि इस मामले की निष्पक्ष आर्थिक एवं दस्तावेजी जांच कराई जानी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। परिवार का यह भी आरोप है कि मलिहाबाद थाने में मामले की निष्पक्ष सुनवाई नहीं हो रही है। उनका कहना है कि एक दरोगा, जिसका वर्तमान में संबंधित हल्के से तबादला हो चुका है, फिर भी उन्हें फोन कर थाने बुला रहा है और जांच के नाम पर दबाव बना रहा है।

पत्रकारिता से शिक्षा जगत तकः वरिष्ठ पत्रकार मुकेश मिश्रा बने टीजीटी हिंदी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। निगोहां क्षेत्र में वर्षों से पत्रकारिता और सामाजिक सरोकारों से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार मुकेश मिश्रा ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम करते हुए उत्तर प्रदेश टीजीटी परीक्षा-2022 में हिंदी विषय के सहायक अध्यापक (इंटर कॉलेज) पद पर सफलता हासिल की है। उनके चयन की खबर मिलते ही निगोहां और आसपास के क्षेत्र में खुशी का माहौल बन गया तथा शुभचिंतकों ने उनके आवास पहुंचकर बधाई दी। मुकेश मिश्रा ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पिता एवं काशीश्वर इंटर कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य बृजेश कुमार मिश्र, माता, बड़े भाई मनोज मिश्र, गुरुजनों तथा शुभचिंतकों को दिया। उन्होंने बताया कि प्रयागराज स्थित 'हिंदी संसार ऑनलाइन' के निदेशक डॉ. अशोक स्वामी के मार्गदर्शन में नियमित और योजनाबद्ध तैयारी के परिणामस्वरूप उन्हें यह सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि शिक्षक के रूप में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उनका मानना है कि शिक्षा ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। चयन की सूचना मिलते ही उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला, एसीपी रजनीश वर्मा, निगोहां थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार, इंस्पेक्टर राम आशीष उपाध्याय, प्रधानाचार्य डॉ. रितेश मिश्र, डॉ. रामराजन द्विवेदी, व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र दीक्षित, वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश द्विवेदी, प्रधान अभय दीक्षित सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों, पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।यदि चाहें, इसे हिन्दुस्तान अखबार की स्थानीय रिपोर्टिंग शैली में और भी अधिक प्रभावशाली तथा प्रथम पृष्ठ स्तर की भाषा में तैयार किया जा सकता है।

मुकेश मिश्र ने बताया कि 'यह सफलता मेरे माता-पिता, बड़े भाई, गुरुजनों और सभी शुभचिंतकों के आशीर्वाद, विश्वास एवं सहयोग का परिणाम है। विशेष रूप से 'हिंदी संसार ऑनलाइन', प्रयागराज के निदेशक डॉ. अशोक स्वामी के मार्गदर्शन ने मेरी तैयारी को सही दिशा दी। शिक्षक के रूप में मेरा प्रयास रहेगा कि विद्यार्थियों को गुणवाापूर्ण शिक्षा, अच्छे संस्कार और बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित कर सकूं। मैं पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपनी जिमेदारियों का निर्वहन करूंगा।

जाति के नाम पर गाली देने वाले देश के गद्दार हैं : भारतीय जन समाज पार्टी

'पहले जातियां मिटाओ, फिर आरक्षण हटाओ - हम समर्थन करेंगे' : बृजमोहन सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजमोहन सिंह ने आज जाति के नाम पर अपमानजनक नारे देने वालों की कड़ी निंदा करते हुए देश में 'सामाजिक समानता' का रोडमैप पेश किया। अध्यक्ष जी का बयानः 'कुछ अनुभवहीन और बुद्धि के अभाव वाले लोगों ने 'तिलक तराजू और तलवार, इनको मारो जूता चार' जैसा घटिया नारा दिया है। ये लोग समाज में नफरत फैलाकर अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं। ' 'पहले इन्हें अपनी बुद्धि शुद्ध करनी चाहिए। ये भूल गए हैं कि इस देश में हर धर्म, हर जाति के लोग मिलकर रहते हैं। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र, दलित, पिछड़ा - सब भारत माता की संतान हैं। किसी की जाति को लेकर गाली देना सबसे बड़ा पाप और देशद्रोह है।'

भारतीय जन समाज पार्टी का 'राष्ट्रीय एकता एजेंडा ':

1. कानूनी कार्रवाई - जाति के नाम पर गाली-गलौज और नफरती नारों पर NSA लगाया जाए। सोशल मीडिया पर ऐसे पोस्ट पर तुरंत FIR हो। 2. पहले जातियां मिटाओ - सरकारी दस्तावेजों, स्कूल फॉर्म से 'जाति' कॉलम हटे। सिर्फ 'भारतीय' लिखा जाए। अंतरजातीय विवाह पर सरकार 10 लाख दे। 3. फिर आरक्षण हटाओ - जब देश में 100% सामाजिक बराबरी आ जाए, तब जाति आधारित आरक्षण की समीक्षा हो। BJSP इस समर्थन करेगी। 4. आर्थिक आधार पर मदद - आरक्षण गरीबी से लड़ाई है, जाति से नहीं। गरीब जनरल को भी मिले, अमीर को नहीं। **डॉ. कलाम और डॉ. अंबेडकर का हवालाः** अध्यक्ष जी ने कहा 'डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का सपना था 'विकसित भारत' और डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का सपना था 'भेदभाव मुक्त भारत'। नफरत के नारे देने वाले दोनों महापुरुषों के सपनों के दुश्मन हैं। '

भारतीय जन समाज पार्टी के नारेः

1. 'जाति तोड़ो, भारत जोड़ो ',2. 'गाली नहीं, गले लगाओ ',3. 'पहले समानता, फिर समीक्षा ' , 4. 'न कोई अगड़ा, न कोई पिछड़ा - सब भारत के लाड़ला' भारतीय जन समाज पार्टी सरकार से मांग करती है कि 30 दिन में 'सामाजिक सद्भाव कानून' लाया जाए और स्कूलों में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पाठ्यक्रम अनिवार्य किया जाए। 'हम बंटेंगे तो कटेंगे। हम एक रहेंगे तो विश्वगुरु बनेंगे। '

आरएसएस नेता की जंतर मंतर आंदोलन पर अत्यंत आपत्तिजनक टिप्पणी,जाँच के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। आरएसएस विचारक और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के पूर्व राज्य बौद्धिक सेल के प्रमुख टी.जी. मोहनदास के अत्यंत आपत्तिजनक और हिंसक बयानों को लेकर विवाद गहरा गया है। इस मामले पर राजनीतिक व सामाजिक प्रतिक्रियाओं के बाद केरल पुलिस ने जांच के आदेश दे दिए हैं।ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन (AIYF) के नेता टी.टी. जिस्मन, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (AISF), और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP) के महासचिव वी.एम. अलियार समेत कई नेताओं ने केरल के राज्य पुलिस प्रमुख और गृह मंत्री के समक्ष आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की। शिकायतों में कहा गया कि मोहनदास के बयान शांतिपूर्ण और संवैधानिक लोकतांत्रिक प्रदर्शनों पर सीधा हमला हैं तथा ये हिंसा भड़काने, भय फैलाने और अराजकता को बढ़ावा देने वाले हैं।शिकायतों का संज्ञान लेते हुए केरल गृह विभाग ने मामले की जांच साइबर सेल के आईजी पी. प्रकाश को सौंपी है। आरोप है कि टी.जी. मोहनदास ने अपने यूट्यूब चैनल 'पत्रिका' (Pathrika) पर जारी एक वीडियो में कहा कि यदि दिल्ली के जंतर-मंतर पर हो रहे छात्र आंदोलनों को रोकने की जिम्मेदारी उन्हें दी गई होती, तो वे कठोरतम हिंसक कार्रवाई करते। मोहनदास के अनुसार, 'मैं जंतर-मंतर के 4 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में कर्फ्यू लगा देता। फिर लाउडस्पीकर पर भीड़ को हटने की तीन चेतावनियां देता। इसके बाद गोली चलाने का आदेश देता। लोग इधर-उधर भागते, कुछ मरते, कुछ गंभीर रूप से घायल होते। चार घंटे के भीतर स्थिति शांत हो जाती और फिर हम शवों को उठाकर अस्पताल पहुंचा देते। ' एक अन्य वीडियो क्लिप में उन्होंने आंदोलन में शामिल महिला प्रदर्शनकारियों को लेकर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि 'वहां सामूहिक बलात्कार और हत्याएं होंगी। बलात्कार की कोई शिकायत दर्ज नहीं होगी, क्योंकि प्रदर्शनों में शामिल होने वाली धर्मनिरपेक्ष और वामपंथी महिलाएं बलात्कार पसंद करती हैं। ' री विरोध के बीच RSS के केरल इकाई के पदाधिकारियों ने मोहनदास के बयानों से खुद को अलग कर लिया। संघ ने स्पष्ट किया कि मोहनदास संगठन के किसी आधिकारिक पद पर नहीं हैं और ये उनके व्यक्तिगत विचार हैं। संघ ने इन बयानों की कड़े शब्दों में निंदा की। कांग्रेस पार्टी ने इन बयानों को 'घृणास्पद और महिला विरोधी मानसिकता' का प्रतीक बताते हुए तत्काल कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, DYFI के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद ए.ए. रहीम ने भी कहा कि इस मामले से राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तरों पर निपटा जाएगा। टी.जी. मोहनदास पेशे से इंजीनियर और वकील रहे हैं। वे केरल में भाजपा और संघ परिवार से जुड़े बौद्धिक मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं तथा भाजपा के राज्य बौद्धिक प्रकोष्ठ (Intellectual Cell) के संयोजक भी रह चुके हैं। कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग, तिरुवनंतपुरम से ग्रेजुएशन करने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियर के तौर पर उन्होंने महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड और केल्ट्रॉन के साथ काम किया है।

ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन के नेता टी.टी. जिस्मन, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन , और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के महासचिव वी.एम. अलियार समेत कई नेताओं ने केरल के राज्य पुलिस प्रमुख और गृह मंत्री के समक्ष आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की।

62 साल की उम्र में, वे गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, एर्नाकुलम में रेगुलर स्टूडेंट थे। बहरहाल, अब वो यूट्यूब चैनल चलाते हैं। दिनेश बिवाल और विकास बिवाल उन 13 आरोपियों में शामिल हैं जिन्हें सीबीआई ने तय परीक्षा की तारीख से पहले नीट-यूजी पेपर लीक करने के कथित अपराध में गिरफ्तार किया था। सभी आरोपी 6 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में हैं। 12 मई को एक सरकारी अधिकारी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई थी। 23 जुलाई को राऊज एवेन्यू कोर्ट में 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) एक्ट-2024' और इससे जुड़े अन्य अपराधों की सुनवाई के लिए एक फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाई गई। इससे जुड़े सभी मामले फास्ट ट्रैक कोर्ट में ट्रांसफर कर दिए जाएंगे।

श्री राम जानकी मंदिर में अखंड पाठ, हवन पूजन गुरुपूजन एवं पूर्णाहुति का हुआ आयोजन

पूरनपुर (पीलीभीत)। श्रीराम जानकी मंदिर पर गुरुपूर्णिमा के उपलक्ष्य में हुए अखण्ड पाठ के पश्चात हवन पूजन गुरुपूजन एवं पूर्णाहुति के साथ धार्मिक कार्यक्रम का समापन हो गया। कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। पूरनपुर के रामलीला मैदान के सामने श्रीराम जानकी मंदिर के महंत बाबा राघवदास के द्वारा गुरुपूर्णिमा के उपलक्ष्य में 28 जुलाई से अखण्ड पाठ का शुभारंभ हुआ था। अखण्ड पाठ के पश्चात हवन पूजन, गुरुपूजन एवं पूर्णाहुति के साथ धार्मिक कार्यक्रम का समापन हो गया। महंत बाबा राघवदास ने भोग लगाकर भंडारे का शुभारंभ किया। महंत बाबा राघवदास ने दूर-दराज से आए हुए सन्त महात्माओं का स्वागत किया। भंडारे में कई जिलों के महात्माओं एवं श्रद्धालुओं ने मंदिर में पहुंचकर भण्डारे में प्रसाद ग्रहण किया।

राम मंदिर चंदा गबन मामलाः सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी में फॉरेंसिक ऑडिटर जोड़ने का दिया निर्देश, मांगी स्टेटस रिपोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट को मिले चंदे के कथित गबन के आरोपों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार को स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) में एक फॉरेंसिक ऑडिटर को शामिल करने का निर्देश दिया। साथ ही, अदालत ने SIT से जांच की प्रगति पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। चीफ़ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहन की खंडपीठ राम मंदिर को मिले चंदे के कथित गबन की सीबीआई जांच और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय लेन-देन के ऑडिट की मांग वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ के आईजी एस. किरण की अध्यक्षता में एक स्द्धञ्ज गठित की है। खंडपीठ के सुझाव पर उन्होंने फॉरेंसिक ऑडिटर को भी जांच में शामिल करने पर सहमति जताई।

याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत ने दलील दी कि देशभर से राम मंदिर निर्माण के लिए प्राप्त चंदे का ऑडिट होना चाहिए और ट्रस्ट को प्राप्त राशि का विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए ताकि दानदाताओं को पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। इस पर चीफ़ जस्टिस ने कहा कि फिलहाल अदालत का पूरा ध्यान तेज और गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित करने पर है।

उन्होंने कहा कि SIT अपनी रिपोर्ट दाखिल करे, उसके बाद पारदर्शिता और अन्य सुधारात्मक उपायों पर विचार किया जाएगा।

सुप्रीमकोर्ट का मानना है कि जब मामला करोड़ों रुपये के दान और उसके इस्तेमाल से जुड़ा हो, तब केवल आपराधिक जांच पर्याप्त नहीं होती।पैसों का पूरा हिसाब भी वैज्ञानिक तरीके से खंगालना जरूरी होता है। यही वजह है कि इस मामले में फॉरेंसिक ऑडिटर की भूमिका चर्चा में आ गई है।

प्रदर्शनकारी छात्रों को सुप्रीम राहत, एफआईआर पर दंडात्मक कार्रवाई पर रोक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी प्रदर्शनों से जुड़ी जनहित याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने पैलेट गन के इस्तेमाल, इलेक्ट्रिक बैटन, गंभीर रूप से घायल प्रदर्शनकारियों, वकीलों और मीडिया कर्मियों पर हमलों जैसे मुद्दों का उल्लेख किया। प्रदर्शनकारियों को कोर्ट से राहत मिली है। स्द्धक्र पर दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है और साथ ही केंद्र समेत 7 राज्यों को नोटिस जारी किया गया है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सभी मामलों में लगभग समान मुद्दे सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि याचिकाओं में पैलेट गन के इस्तेमाल से एक 19 वर्षीय युवक की आंखों की रोशनी जाने, इलेक्ट्रिक बैटन के कथित उपयोग, एक युवती के गंभीर रूप से घायल होकर आईसीयू में भर्ती होने, वकीलों के साथ मारपीट और एक पत्रकार पर हमले जैसे आरोप शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इन मामलों पर लंबी बहस की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि विवाद का मूल मुद्दा स्पष्ट है। उन्होंने यह भी दोहराया कि छात्र अपनी मांगो को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे और शांतिपूर्ण विरोध करना मौलिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हालिया छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा की सभी घटनाओं की निष्पक्ष, पारदर्शी और गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जा सकता है।शीर्ष अदालत ने कहा कि 'निर्धारित प्रोटोकॉल' का उल्लंघन होने पर कानून को अपना काम करना चाहिए। सुनवाई के शुरुआत में न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की सदस्यता वाली पीठ ने सवाल किया कि इन आरोपों की स्वतंत्र जांच क्यों नहीं होनी चाहिए।प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''जिस किसी ने भी ज्यादती की है या कानून अपने हाथ में लिया है, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।'' वकीलों की दलीलों पर संज्ञान लेते हुए पीठ ने कहा कि विरोध कर रहे नीट छात्रों पर पुलिस की ज्यादतियों से जुड़े सभी आरोपों की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच जरूरी है।

ग्राम पंचायत शेरपुर कलां में चलाया गया विशेष स्वच्छता अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। कार्यकाल समाप्त होने के उपरांत शासन द्वारा प्रशासक बनाए जाने के बाद गांव के मुखिया द्वारा ग्राम वासियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने की नीयत से निरंतर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में गांव में लगे कूड़े के ढेर को जेसीबी से हटवा कर निस्तारण हेतु गांव के बाहर फिकवाया गया है। ग्राम पंचायत शेरपुर कलां ग्राम पंचायत शेरपुर कलां में स्वच्छता और जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एक विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान गांव के मुख्य किनारों और सार्वजनिक स्थानों पर लंबे समय से पड़े कूड़े के ढेरों को हटाकर क्षेत्र को साफ-सुथरा और सुगम बनाया गया। सफाई अभियान की कमान प्रशासक प्रधान जाने आलम खान और ग्राम पंचायत सदस्य सैफ रजा मोन्टू वार्ड मेंबर शकूर मो0 ने संभाली। गांव के किनारे जमा कूड़े और गंदगी को साफ करने के लिए जेसीबी मशीन का इस्तेमाल किया गया। जेसीबी के जरिए भारी मात्रा में कूड़े को उठाकर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरवाया गया और फिर उसे गांव की सीमा से काफी दूर सुरक्षित स्थान पर फेंकवाया गया, ताकि गांव में किसी प्रकार की दुर्गंध या बीमारी फैलने का खतरा न रहे। विशेष सफाई अभियान के दौरान जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से बातचीत करते हुए उन्हें स्वच्छता का महत्व समझाया। ग्राम प्रधान जाने आलम खान ने ग्रामीणों से अपील की कि वह अपने घरों के आस-पास गंदगी न फैलने दें और कूड़े को निश्चित स्थानों या कूड़ेदानों में ही डालें।

घर में घुसकर युवती व परिजनों से मारपीट सात नामजद समेत अन्य पर मुकदमा दर्ज

.......आपसी विवाद में महिलाओं से मारपीट का आरोप, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच; आरोपियों की तलाश जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के हुलासखेड़ा गांव में आपसी विवाद के चलते घर में घुसकर युवती व उसके परिजनों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने सात नामजद आरोपियों समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हुलासखेड़ा गांव निवासी अंजली पुत्री स्वर्गीय सोहनलाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि सोमवार देर शाम वह अपनी बहन कविता और मां मुन्नी के साथ घर पर मौजूद थी। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस के रहने वाले श्यामू, राजू, राहुल, सुशील, दीपांशु, रिया, रूपरानी, चंदन समेत अन्य लोग घर में घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर सभी ने मिलकर अंजली, उसकी बहन और मां के साथ मारपीट कर दी, जिससे तीनों घायल हो गईं। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर मोहनलालगंज पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच के साथ आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अभियान के तहत संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन के पास दो बच्चों को बाल श्रम से कराया मुक्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। अभियान के तहत संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन के पास दो बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया। इस दौरान टीम ने प्रतिष्ठान संचालकों को कड़ी चेतावनी देकर छोड़ दिया। वहीं बच्चों के परिजनों को भी भविष्य में उनसे बाल श्रम न कराने की हिदायत दी। जिलाधिकारी के निर्देश पर पीलीभीत रेलवे स्टेशन परिसर के आस-पास बाल श्रम उन्मूलन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संयुक्त टीम ने दो बालकों को बाल श्रम से मुक्त कराकर अग्रिम कार्रवाई के लिए बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया। बाल कल्याण समिति ने दोनों बच्चों के परिजनों को भविष्य में बच्चों से बाल श्रम नहीं कराने की सख्त हिदायत देते हुए उन्हें परिजनों के सुपुर्द कर दिया। अभियान के दौरान आस-पास के प्रतिष्ठानों के संचालकों को भी बाल श्रम न कराने की चेतावनी दी गई। श्रम प्रवर्तन अधिकारी शशिकला ने बताया कि बाल श्रम कराने वाले सेवायोजकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अभियान श्रम प्रवर्तन अधिकारी शशिकला एवं अंजू अग्रवाल के निर्देशन में चलाया गया। संयुक्त टीम में चाइल्ड हेल्पलाइन परियोजना समन्वयक निर्वान सिंह, एएचटी प्रभारी निरीक्षक गोविंद सिंह, जीआरपी प्रभारी ओम कुमार, आरपीएफ के एएसआई, कांस्टेबल अमित तथा महिला कांस्टेबल संध्या गहलोत सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।